



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

134
6H

सं० 27]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 6, 1974 (आषाढ़ 15, 1896)

No. 27]

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 6, 1974 (ASADHA 15, 1896)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

मंत्रीमंडल सचिवालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक जून 1974

दिनांक 27 जून 1974

सं० पी० एफ०/पी०-2/73-प्रशासन-5:—श्री पी० सी० कक्कड़, भारतीय पुलिस सेवा (उत्तर प्रदेश संवर्ग), पुलिस उप-महानिरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, दिल्ली शाखा ने दिनांक 11-6-74 के अपराह्न से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

उनकी सेवाएं राज्य सरकार को वापस सौंप दी गई।

दिनांक जून 1974

सं० जी०-36/65 प्रशासन-5:—हिन्दुस्तान इस्पात लि०, सरकेला इस्पात संयंत्र में सतर्कता अधिकारी के पद पर नियुक्ति के लिए चयन हो जाने पर, श्री जी० एन० ब्रह्मा, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, भुवनेश्वर की सेवाएं दिनांक 27-5-74 के अपराह्न से हिन्दुस्तान इस्पात लि० को सौंप दी गई।

उन्होंने दिनांक 27-5-74 के अपराह्न में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक जुलाई 1974

सं० पी० एफ०/सी०-2/69-प्रशासन-5:—अपने मूल राज्य में प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री चन्द्र लाल, सहायक निदेशक (नीति), केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, मुख्यालय, नई दिल्ली ने दिनांक 10 जून, 1974 के अपराह्न में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में अपने सहायक निदेशक (नीति) के पद का कार्यभार त्याग दिया।

गुलजारी लाल अग्रवाल,
प्रशासन अधिकारी (स्था०),

सं० डी०-2/69-प्रशासन-5:—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्-द्वारा, श्री वेव कुमार जैन, लोक-अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, जयपुर को दिनांक 10 जून, 1974 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में, अस्थायी रूप से वरिष्ठ लोक-अभियोजक के रूप में प्रोन्नत करते हैं।

उन्होंने दिनांक 7 जून, 1974 के अपराह्न में लोक-अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, जयपुर के पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० पी० एफ०/ए०-64/68-प्रशासन-5:—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्द्वारा, श्री ए० बी० बेल्लेगल, लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, बंगलूर को दिनांक 14 जून, 1974 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में, अस्थायी रूप से वरिष्ठ लोक-अभियोजक के रूप में प्रोन्नत करते हैं।

गृह मंत्रालय
महानिरीक्षक का कार्यालय
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 20 जून 1974

सं० ई०-38013(2)/7/74-प्रशा०I:—श्री ए० एस० शेखावत ने दिनांक 20 अप्रैल, 1974 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, दुर्गापुर, की पहली बटालियन के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने उसी दिनांक के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, दुर्गापुर, स्टील प्लांट, दुर्गापुर, के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-33013(2)/7/74-प्रशा०I:—श्री एन० एन० मोहंती ने दिनांक 20 अप्रैल, 1974 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, रूरकेला, की 18वीं बटालियन के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने उसी दिनांक के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, रूरकेला स्टील प्लांट, रूरकेला, के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-33013(2)/7/74-प्रशा०I:—श्री टी० के० बनर्जी ने दिनांक 20 अप्रैल, 1974 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, रूरकेला, की 18वीं बटालियन के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने उसी दिनांक के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, रूरकेला स्टील प्लांट, रूरकेला, के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 27 जून 1974

सं० ई०-38013 (2)/7/74-प्रशा० I:—श्री आर० पी० हुबे ने दिनांक 20 अप्रैल, 1974 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, दुर्गापुर, की 4 बटालियन के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने उसी दिनांक के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, दुर्गापुर स्टील प्लांट, दुर्गापुर, के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार संभाल लिया।

एस० एल० बिष्ट,
महानिरीक्षक

वित्त मंत्रालय
(अर्थ विभाग)
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड़, दिनांक 6 जून 1974

सं० 1206/ए०:—महाप्रबन्धक, भारत प्रतिभूति मुद्रणालय नासिक रोड़ इसके द्वारा 1 जून, 1974 के पूर्वाह्न से पूर्ण तथा तदर्थ रूप में दो मास के लिये श्री जी० डी० पोल उपनियम अधिकारी, भारत प्रतिभूति मुद्रणालय जो 31-5-74 से सेवा निवृत्त हुये हैं, के पद पर अब श्री पी० वाई० प्रभ ने नियंत्रण निरीक्षक को सुधारीत वेतन श्रेणी रु० 650-30-740-35-810 ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर उपनियंत्रण अधिकारी (श्रेणी II राजपत्रित पद) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 जून 1974

मै श्री डी० एन० जोशी, लेखा अधिकारी महा डाकपाल कार्यालय बंबई को लेखा अधिकारी के रूप में भारत प्रतिभूति मुद्रणालय नासिक रोड़ में 7 जून, 1974 के पूर्वाह्न से पहली ही बार तीन वर्ष के लिये प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त करता हूँ।

श्री डी० एन० जोशी की लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्ति के परिणाम स्वरूप डी० वी० हरकर जो तदर्थ रूप में लेखा अधिकारी का पदभार संभाल रहे थे, देखिये अधिमूचना सं० 1078/ए० दिनांक 21 मई, 1974 अब वे अपने मुख्य लेखापाल चलाए पत्र मुद्रणालय के मूल पद पर, दिनांक 7-6-1974 से प्रत्यावर्तित किये जाते हैं।

वि० ज० जोशी,
महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परिक्षा एवं लेखा विभाग

कार्यालय महालेखाकार जम्मू व काश्मीर

श्रीनगर, दिनांक 22 मई 1974

महालेखाकार, जम्मू व काश्मीर ने स्थानापन्न अधिकारी सर्वश्री गुलाम अली, जे० एन० बख्शी, बी० के० कौल और एस० एल० रैना को क्रमानुसार 1-3-1972, 10-5-1972, 23-7-1973 और 1-2-1974 से स्थाई रूप में लेखा अधिकारी के वेतनमान में नियुक्त किया है।

महालेखाकार, जम्मू व काश्मीर ने स्थानापन्न अधिकारी श्री सुल्तान मोहम्मद को 1-3-1972 से स्थाई रूप में लेखा अधिकारी के वेतनमान में नियुक्त किया है। यह नियुक्ति 23-7-73 तक लागू रहेगी जिस तिथि से उनकी सेवा निवृत्ति हो गई।

महालेखाकार, जम्मू व काश्मीर ने आगामी आदेश तक के लिए इस कार्यालय के अधीनस्थ लेखा सेवा के सदस्य श्री जुगल किशोर गुप्ता को के पूर्वाह्न से लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

पी० के० बोस,
वरिष्ठ उप महालेखाकार,
(प्रशासन तथा अधिकरण)

कार्यालय महालेखाकार उड़ीसा

भुवनेश्वर, दिनांक 1974

उड़ीसा के महालेखाकार ने इस कार्यालय के स्थानापन्न रूप से काम करने वाले लेखा अधिकारी श्री गंगाधर नन्द को 1-3-74 से और श्री वि० कृष्णा भट्टर को 1-3-74 से स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

वी० एस० भारद्वाज,
ज्येष्ठ उपमहालेखाकार
(प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली, दिनांक 27 जून 1974

सं० 40011(2)/74-प्रशा०-ए०:—(क) रक्षा लेखा महानियंत्रक, खेदपूर्वक श्री आर० एस० विमल स्थानापन्न लेखा अधिकारी (रोस्टर संख्या श्री०/403) रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना संगठन की 28-5-1974 को मृत्यु की घोषणा करते हैं। तदनुसार उनका नाम विभाग की नफरी से 29-5-1974 (पूर्वाह्न) से काटा जाता है।

(ख) वार्धक्य निवृत्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्न-लिखित लेखा अधिकारियों को प्रत्येक के सामने लिखी तारीख से पेंशन स्थापना को अन्तर्गत किया जायेगा।

क्रम सं०	रोस्टर संख्या सहित नाम	ग्रड	पेंशन स्थापना की अन्तरण की तारीख	संगठन
सर्व श्री				
1.	पर्स राम सैनी (पी०/105)	स्थायी अधिकारी	31-8-74 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता
2.	एन० एन० दत्ता (पी०/213)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-8-74 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता
3.	एस० एम० चक्रवर्ती (पी०/393)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-8-74 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक पटना

सी० वी० नागेन्द्र,
रक्षा लेखा उप महा नियंत्रक

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण

स्थापना

नई दिल्ली, दिनांक 28 जून 1974

सं० 6/900/70-प्रशा० (राज०):—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग के अधिकारी, श्री विष्णुदत्त शर्मा ने सेवा निवृत्त आयु प्राप्त होने पर, 30 अप्रैल, 1974 के अपराह्न को नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार इस कार्यालय में सौंप दिया।

बी० डी० कुमार,
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात।

औद्योगिक विकास मंत्रालय

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 जून 1974

सं० ए०-19018/40/74-प्रशा० (राजपत्रित):—विकास आयुक्त, लघु उद्योग श्री मोहन लाल टण्डन को, जो लघु उद्योग सेवा संस्थान, नई दिल्ली में एक स्थायीवत अन्वेषक तथा स्थानापन्न लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी हैं, उसी सेवा संस्थान में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (ग्रेड-2) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं। श्री टण्डन ने 22-4-1974 के पूर्वाह्न में सहायक निदेशक (ग्रेड-2) के रूप में कार्य-भार ग्रहण कर लिया।

क० वें० नारायणन,
उप निदेशक (प्रशासन)

पूति विभाग

राष्ट्रीय परीक्षण गृह

कलकत्ता-27, दिनांक 24 जून 1974

सं० जी०-65/बी० (कान):—निदेशक राष्ट्रीय परीक्षण गृह कलकत्ता ने उसी कार्यालय के वैज्ञानिक सहायक (भौतिकी) श्री डी० एस० मजुमदार को 31 मई, 1974 पूर्वाह्न से अन्य आवेशों तक उसी कार्यालय में स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी (भौतिकी) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

डी० के० गुप्त,
सहायक निदेशक (प्रशासन),
कृते निदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनांक 27 जून 1974

सं० 11-2/74-ए०-1:—अभिलेख-निदेशक, भारत सरकार इसके श्री सूरज प्रकाश, सहायक-पुरालेखाधिकारी (पदक्रम-I) (सामान्य) को दिनांक 20 जून, 1974 (पूर्वाह्न) से आगामी आवेश तक तदर्थ आधार पर स्थानापन्न पुरालेखाधिकारी (सामान्य) नियुक्त करते हैं।

2. अधिकारियों के परावर्तन अवकाश, प्रतिनियुक्ति के वापस आने या उच्च पद से परावर्तन होने या अन्य दूसरे कारणों से नियुक्ति समाप्त की जा सकती है और नियमित नियुक्ति, पद में ज्येष्ठता नियत आदि के लिए किसी प्रकार का दावा नहीं किया जायेगा।

ह० अपठनीय
प्रशासन-अधिकारी,
राष्ट्रीय अभिलेखागार,
कृते अभिलेख-निदेशक

हस्तात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय खनि विभाग

नागपुर, दिनांक 27 जून 1974

सं० ए०-19011(32)/70-सि० ए०:—श्री ए० एम० हुसेन, खनिज अर्थशास्त्री को भारतीय खनि विभाग में श्री ए०

एस० गोपालाचारी की दि० 25-4-74 से 25-6-74 तक छुट्टी से रिक्त अधीक्षक खनिज अर्थशास्त्री के पद पर स्थानापन्न रूप में पवोन्नति प्रदान की जाती है।

ए० के० राघवाचारी
प्रवर प्रशासन अधिकारी
कृते नियंत्रक

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-13, दिनांक जून 1974

सं० 2222 (टी० एम०)/19 ए०:—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूवैज्ञानिक श्री तपन मजूमदार ने त्यागपत्र देकर अपना कार्य-भार 26 दिसम्बर, 1972 के पूर्वाह्न से त्याग दिया है।

सं० 2222 (आर० एन० एस०)/19 ए०:—राष्ट्रपति सहर्ष श्री आर० एन० श्रीवास्तवा को भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 700-40-900-ई० बी०-40-1100-50-1300/- रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में अन्य आदेश होने तक 16-4-1974 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

सं० 4/72/19 ए०:—श्री रबी दास की सहायक भण्डार अधिकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, अन्य आदेश होने तक, 1-6-1974 के अपराह्न से नियमित किया जाता है।

श्री दास की सहायक भण्डार अधिकारी के पद की तदर्थ नियुक्ति 15-2-1972 से की गई थी।

सं० 4/72/19 ए०:—निम्नोक्त अधिकारियों की सहायक भण्डार अधिकारी के पदों पर तदर्थ नियुक्ति को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में अन्य आदेश होने तक, 27 अप्रैल, 1974 के पूर्वाह्न से नियमित किया जाता है :—

1. श्री जे० के० पाल
2. श्री जे० बी० चौधरी
3. श्री एस० सी० बनर्जी
4. श्री बी० सी० दास
5. श्री करन सिंह
6. श्री टी० आर० गुप्ता
7. श्री एम० जी० भट्टाचार्य
8. श्री मनमोहन मजूमदार
9. श्री एस० एन० बनर्जी

उपरोक्त अधिकारियों की सहायक भण्डार अधिकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 350-25-500-30-590-व० रो०-30-800 रु० के वेतनमान में प्रत्येक के सामने नीचे दर्शायी गई तिथि से की गई थी:—

- | | |
|----------------------------|---------|
| 1. श्री जे० के० पाल | 23-8-72 |
| 2. श्री जे० बी० चौधरी | 15-2-72 |
| 3. श्री एस० सी० बनर्जी | 15-2-72 |
| 4. श्री बी० सी० दास | 3-3-72 |
| 5. श्री करन सिंह | 6-7-72 |
| 6. श्री टी० आर० गुप्ता | 6-7-72 |
| 7. श्री एम० जी० भट्टाचार्य | 15-2-72 |
| 8. श्री मनमोहन मजूमदार | 15-2-72 |
| 9. श्री एस० एन० बनर्जी | 2-1-73 |
- (अपराह्न)

सं० 2222 (सी० पी० एस०)/19 ए०:—राष्ट्रपति सहर्ष श्री चन्द्र प्रकाश सिसोदिया को भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 400-40-800-50-950 रु० के वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में, अन्य आदेश होने तक 16-3-74 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

सी० करुणाकरन,
महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक जून 1974

सं० 17-2-74-एडमिन० 1—राष्ट्रपति जी ने वाणिज्य लेखा-परीक्षा, नई दिल्ली के निदेशक के कार्यालय के श्री जे० सी० गुप्ता, लेखा-परीक्षा अधिकारी (वाणिज्य) को पहली जून, 1974 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में लेखा अधिकारी (स्टोर्स) के पद पर नियुक्त किया है।

सुरज प्रकाश जिंदल
उप निदेशक (प्रशासन)

कृषि मंत्रालय

(कृषि विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

(प्रधान कार्यालय)

एन० एच०-4, फरीदाबाद

फरीदाबाद दिनांक जून 1974

सं० फाइल 46 (8)-74 प्रशा० 1—श्री पी० रामचन्द्रन नायर वरिष्ठ निरीक्षक को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

के अधीनस्थ कार्यालय मंगलूर में दिनांक 20 मई, 1974, के पूर्वाह्न में अगले आदेश होने तक तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया गया है।

सं० 3-309/71-प्रशा० फरी० 1—श्री जी० के० उपाध्याय, वरिष्ठ निरीक्षक, को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय के अधीन नई दिल्ली में दिनांक 4 मई, 1974 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-II) नियुक्त किया गया है।

एन० के० मुरलीधर राव,
कृषि विपणन सलाहकार

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम बिज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 22 जून 1974

सं० ई० (1) 04241—वैधशालाओं के महानिदेशक एतद् द्वारा वैधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय नई दिल्ली के व्यावसायिक सहायक, श्री आर० सी० घोष को जबकि वह स्थानापन्न रूप में अधीक्षक थे, 15 मई, 1974 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री आर० सी० घोष निदेशक, प्रादेशिक मौसम केंद्र, नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किये गये हैं।

नूतन दास,
मौसम विशेषज्ञ
कृते वैधशालाओं के महानिदेशक

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 26 जून 1974

सं० 16/233/74-स्था०-1—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून पश्चिम बंगाल अवर वन सेवा के अधिकारी, श्री पी० के० राय चौधरी को दिनांक 23-4-74 के अपराह्न से अगले आदेशों तक पूर्वी वनराजिक महाविद्यालय कुसियोंग में सहर्ष सहायक शिक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 जून 1974

सं० 16/199/71-स्था० 1—श्री आर० सी० बाबू, अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान प्रयोगशाला, बेगलूर का दिनांक 10 जून, 1974 को निधन हो गया।

प्रेम कपूर,
कुल सचिव

केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क समामहतालय

पटना, दिनांक 27 जून 1974

सं० 11 (7)/स्था०/70—भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग), नई दिल्ली के आदेश सं० 52/74 दिनांक 29 मार्च, 74 (संदर्भार्थ देखें मि० सं० ए०-22012/5/74 प्रशा० II दिनांक 29-3-74) के अनुसरण में श्री कृष्ण चरण अम्बष्ट, उप निदेशक निरीक्षण (नि० नि० सी० तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क), नई दिल्ली ने दिनांक 10-6-74 के पूर्वाह्न में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय में उप-समाहर्ता के रूप में अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया।

प्रभात रंजन विश्वास,
समाहर्ता

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स दोशी

इन्डस्ट्री प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 25 जून 1974

सं० 560—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है, कि मैसर्स दोशी इन्डस्ट्री प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

जे० गो० गाथा
प्रमंडल, पंजीयक, गुजरात राज्य अहमदाबाद

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्री वेंकटगुर्गा

इंटरप्राइजेज लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद, दिनांक 25 जून, 1974

सं० 1270 टी० (560)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि श्री वेंकटगुर्गा इंटरप्राइजेज लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ओम प्रकाश जैन
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद

कम्पनी अधिनियम, 1956 और शरण कृपा एग्रीकल्चर

एण्ड जाइरी फार्मिंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलोर, दिनांक 25 जून 1973

सं० — कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर शरण कृपा एग्रीकल्चर

ग्रेड डाइरी फार्मिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और शरणवसय आफ एग्रीकल्चरल फार्मिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 25 जून 1974

सं० —कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर शरणवसय आफ एग्रीकल्चरल फार्मिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बसवेस्वर एग्रीकल्चर एण्ड डाइरी फार्मिंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 25 जून 1974

सं० —कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बसवेस्वर एग्रीकल्चर एण्ड डाइरी फार्मिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मैसूर प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 25 जून 1974

सं० 170/74—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसूर प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और स्पतागिरी चिटफंड्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 25 जून 1974

सं० 1747/74—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि स्पतागिरी चिट फण्ड्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मोविलान्ड चिट फण्ड्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 25 जून 1974

सं० 1754/74—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मोविलान्ड चिट फण्ड्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और बाली ट्रेडिंग एण्ड चिट फण्ड्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 25 जून 1974

सं० 1828/74—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि बाली ट्रेडिंग एण्ड चिट फण्ड्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

के० के० धर

कंपनियों का रजिस्ट्रार
कर्नाटक, बंगलौर

कम्पनी अधिनियम 1956 और आशा बूल चन्द अजमेर चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जयपुर, दिनांक 22 जून 1974

सं० सांख्यिकी/1237—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि आशा बूल चन्द अजमेर चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

राम दयाल कुरील
कंपनियों का रजिस्ट्रार
राजस्थान, जयपुर

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 जून 1974

शुद्धि पत्र

दिनांक 20-4-1974 को सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, अहमदाबाद ने जारी किये हुये आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना (निर्देश सं० 94/ए० सी० क्यू० 23-167/19-7/73-74) में (सूचना के पृष्ठ 2 पर)

“(1) मोफत लाल शांतीलाल दांतवाला (अंतरक)
योगेश शांतीलाल दांतवाला
अरुणकुमार शांतीलाल दांतवाला

के बहले निम्नलिखित पढ़िये :—

“(1) मोहन लाल लख्खुभाई दांत वाला (अंतरक)
योगेश शांतीलाल दांतवाला
अरुणकुमार शांतीलाल दांत वाला

पी० एन० मिस्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II अहमदाबाद

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री काजा बेंकटेश्वरा राव, पुत्र विनकाटापाइह, लेंडलाई पमारू गांव गुड्डीवाडा ताल्लुक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

(2) श्री एम० बल्लाबनीनी पाना राव, और कृष्णामोहन राव, पुत्र श्री सूर्यनारायणा पमारू, गुड्डीवाडा ताल्लुक (अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा दिनांक 22 मार्च, 1974

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

निर्देश सं० जे० न० आई० (1529)/73-74—यतः मुझे के० सुब्बा राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1-11-1 और 1-11-2 है जो नीडूमलू (शेयर आफ राइस मिल्स में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मामूलीपट्टम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-10-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृष्णा डिस्ट्रिक्ट मसूलीपट्टम सब रजिस्ट्रेशन नीडूमलू शेयर इन राइस मिल्स (शेयर 23/99) डोर न० 1-11-1 और 1-11-2-अस्सिस्टेंट न० 4 और 20।

के० सुब्बाराव

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 22-3-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज काकिनाडा

काकिनाडा दिनांक 22 मार्च, 1974

निर्देश सं० जे० न० (1530)/73-74-यत मझे के० सुब्बा राव आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1-11-1- और 1-11-2 है जो नाडूमूलू (शेयर ओफ राइस मिल) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मासुलपिट्टम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-10-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) Sri Vathemilli Narayana Rao S/o. Ramiah, Pasumarru Village, Gudiwada Taluk (अन्तरक)

(2) Sri Vallabhaneni Papa Rao & Krishnamohana Rao, S/o. Suryanarayana, Pamarru, Gudiwada Taluk

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया है।

अनुसूची

Krishna Dt-Masulipatam-Sub-Registration-Nidumolu Share in Rice Mill (Share 23/99 Door Nos. 1-11-1 and 1-11-2-Asst. Nos. 4 and 20.

के० सुब्बाराव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज काकिनाडा

तारीख 22-3-1974
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156, सेक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 5 अप्रैल 1974

सं० सी०एच०डी०/1420/73-74—यतः मुझे जी०पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस०सी०एफ० न० 5 सेक्टर 27-D है जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2—136 GI/74

(1) विशमबर प्रसाद जैसवाल, शराब के ठेकेदार, 248/15, जैकामपुरा, गुडगांव ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी श्री ओम प्रकाश गुप्ता, एस०सी०एफ० न० 5, सेक्टर 27-D चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को भी जाएगी ।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

शाप कम प्लैट न० 5, सेक्टर 27-D चण्डीगढ़ ।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 5 अप्रैल, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), कार्यालय

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 5 अप्रैल, 1974

सं० सी०एच०डी०/1423/73-74—यतः मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान न० 324 सैक्टर 15-ए है, जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री प्रकाश चन्द्र पुत्र श्री हरी कृष्ण दास 78, अर्नैज मण्डी, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

(2) सर्वे श्री 1. अमर चन्द्र पुत्र श्री मुन्शी राम, 2. साधु राम शर्मा, 3. ज्ञान चन्द्र शर्मा, 4. किशोरी लाल शर्मा, 5. पुरुषोत्तम लाल शर्मा, 6. ओम सागर शर्मा, 7. मनोहर लाल शर्मा पुत्र श्री अमर चन्द्र शर्मा, निवासी गांव बिजोंत० गढ़शंकर जिला हुशियारपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

रिहेशी मकान न० 324 सैक्टर 15-ए, चण्डीगढ़ ।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 5-4-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 5 अप्रैल 1974

सं० एल०डी०एच०/1422/73-74—यतः मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान न० B-XVII-232 भारत नगर (1/3 भाग) है, जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिये सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती करतार कौर पत्नी श्री करतार सिंह मकान न० बी०-XVII-232, भारत नगर, लुधियाना ।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती (i) राजिन्द्र कौर पत्नी श्री हरवन्त सिंह (ii) श्री गुरमीत सिंह पुत्र श्री हरवन्त सिंह, बी०-XVII-232, भारत नगर, लुधियाना ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में किया गया है ।

अनुसूची

(1/3 भाग) मकान न० बी०-XVII-232, भारत नगर, लुधियाना ।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 5-4-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़,

156, सैक्टर 9 बी

चण्डीगढ़, दिनांक 5 अप्रैल 1974

सं० एल०डी०एच०/1422/73-74—यतः मुझे जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० (1/3 भाग) मकान न० बी०-XVII-232 भारत नगर है जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती करतार कौर पत्नी श्री करतार सिंह बी०-XVII-232, भारत नगर, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री हरबन्त सिंह पुत्र श्री कृष्ण सिंह 2. श्री प्रेमजीत सिंह पुत्र श्री हरबन्त सिंह मकान न० बी०-XVII-232, भारत नगर, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(1/3 भाग) मकान न० बी०-XVII-232, भारत नगर, लुधियाना।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 5-4-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961) का 43 की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156, सैक्टर 9-बी

, चण्डीगढ़, दिनांक 5 अप्रैल 1974

सं० एल०डी०एच०/1422/73-74—यतः मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० (1/3 भाग) मकान नं० बी०-XVII-232 भारत नगर लुधियाना है, जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1973 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती करतार कौर पत्नी श्री करतार सिंह बी०-XVII-232, भारत नगर, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) (i) श्री राजवीर सिंह (ii) श्री करमजीत सिंह, (iii) श्री गुरदीप सिंह सुपुत्रान श्री हरवन्त सिंह बी०-XVII 232, भारत नगर, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(1/3 भाग), मकान नं० बी०-XVII-232 भारत नगर, लुधियाना।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 5-4-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० _____

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 10 अप्रैल 1974

सं० बी०जी०आर०/डी०एल०आई०आई०/10/74-75—यतः मुझे जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 65, डी०एल०एफ० इन्डस्ट्रियल स्टेट नं० 1 है जो, फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मै० इस्टेट बिल्डिंग्स बी-1/34, होज खास, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती इन्द्रजीत कौर साहनी पत्नी श्री जोगिन्द्र सिंह साहनी, निवासी 75, हैड वाटर बरक्स रोड, अमृतसर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 65, डी०एल०एफ०, इन्डस्ट्रियल स्टेट, नं० 1, मथुरा रोड, फरीदाबाद,।

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 10-4-1974
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 9 अप्रैल 1974

सं० एस०एम०एल०/3/74-75—यतः मुझे जी०पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 15-वीं माल है, जो शिमला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिमला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्षुब्ध, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती जानकी देवी

(अन्तरक)

(2) (i) श्री तेजवन्त सिंह, पुत्र स्वर्गीय श्री आया सिंह,
(ii) श्री सवर्गज सिंह पुत्र श्री तेजवन्त सिंह ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

15-वीं माल, लाला लाजपत राय के बुत के साथ, शिमला ।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 9-4-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 9 अप्रैल 1974

सं० सी०एच०डी०/1424/73-74—यतः मुझे जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 76 सैक्टर 19-ए है जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच लब्ध पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) (i) श्री हरनाम सिंह, (ii) श्री अमरीक सिंह, (iii) श्री प्रेमजीत सिंह।

(अन्तरक)

(2) (i) श्री कश्मीर सिंह (ii) श्री जसवीर सिंह पुत्र श्री अजीत सिंह द्वारा श्री देवी सिंह 607, करीमपुरा बाजार, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने अक्षेप ऐसा किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 76, सैक्टर 19-ए, चण्डीगढ़।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 9-4-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 10 अप्रैल 1974

सं० बी०जी०आर०/डी०एल०आई०/14/74-75— यतः मुझे जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 111 इण्डस्ट्रियल स्टेट नं० 1 डी०एल० एफ० है जो फरीदाबाद में स्थित है/और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आब की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मै० डी०एल०एफ० युनाइटेड लिमिटेड 40-एफ० कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० फैरस अलाए फोरजिग्स एच०-6 महारानी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इंडस्ट्रियल प्लॉट नं० 111, इण्डस्ट्रियल स्टेट नं० 1, डी०एल०एफ०, दिल्ली मथुरा रोड, फरीदाबाद।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज चण्डीगढ़

तारीख : 10/4/1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम० -----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 5 अप्रैल 1974

सं० सी०एच०डी०/1419/73-74—यतः मुझे जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 629 सैक्टर 11-बी० है जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्णरूप रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से धम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1). श्री हरीश भनोट, हिन्दोस्तान टाईमज 52०, सैक्टर 16-सी० चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2). श्री (i) सरोज के मलहोत्रा (ii) मनोज के० मलहोत्रा पुत्र श्री डी० वी० मलहोत्रा, 7243 सैक्टर 18-सी० चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कनाल रिहायशी प्लॉट नं० 629 सैक्टर 11-बी० चण्डीगढ़

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज चण्डीगढ़

तारीख : 5/4/1974 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 5 अप्रैल 1974

निर्देश सं० सी०एच०डी०/1421/73-74—यतः मुझे जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3-गली जे० सैक्टर 21-सी० है जो, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावेश अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ्य पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० पी० लूथरा पुत्र श्री अर्जन दाम लूथरा हैड भइकरोवेब डिवीजन इलेक्ट्रोनिक्स कोरपोरेशन प्राफ इण्डिया हैदराबाद बज्रिए मुर्दातियार नामा श्री सुरेश चन्द्रा सतेजा, सैक्टर 14 चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री ओ० पी० जैन पुत्र श्री बीरब्र भान जैन, चीफ मैनेजर, पंजाब म्माल इन्डस्ट्रीज कोरपोरेशन चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3-गली 'जे०' 21-सी० चण्डीगढ़।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज चण्डीगढ़।

तारीख : 5-4-1974

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 10 अप्रैल 1974

सं० बी० जी० आर०/(डी० एल० आई०)/1/74-75—यतः मुझे जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 68 ए, इण्डस्ट्रियल एस्टेट नं० 1 है जो फरीदाबाद में स्थित है (और इसमें से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अम्बरेल की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच न्य पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री गुरसेवक सिंह पाबला पुत्र श्री गुरबखश सिंह, निवासी डी०-आई०/18, बसंत बिहार, नई दिल्ली-57 विदेश में पता : 7027, A-गली, सीट पलैजेट मार्गलान, यू० एम० ए०

(अन्तरक)

(2) श्री वनीत कुमार कश्यप डी-43 हौज खास, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्प्रप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिम्मे ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

इण्डस्ट्रियल प्लॉट नं० 68-ए जो कि डी० एल० एफ० की इण्डस्ट्रियल एस्टेट नं०-1 दिल्ली-मथुरा रोड पर फरीदाबाद में स्थित है ।

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 10-4-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 11 अप्रैल, 1974

सं० सी० एज० डी०/1425/73-74—यतः मुझे जी० पी० सिंह
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी
सं० प्लॉट न० 72 इण्डस्ट्रियल एरिया है जो चण्डीगढ़ में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री
कर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर, 1973 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मै० ब्रेकर, स्टील्स प्राइवेट लिमिटेड चण्डीगढ़ 1, (i) श्री
ओ० पी० बिन्दलिश पुत्र श्री ठाकुर वास बिन्दलिश
(ii) श्री बी० डी० अग्रवाल पुत्र श्री सूरजभान के
द्वारा शो रुम न० 1 मैक्टर 7 चण्डीगढ़,

(अन्तरक)

- (2) मै० ग्रैवेरी माइकिज इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड
चण्डीगढ़, श्री सोहन लाल पुत्र श्री निहाल सिंह, हा-
मैक्टर, 69 इण्डस्ट्रियल एरिया, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एवद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत
किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० 72 इण्डस्ट्रियल स्टेट एरिया चण्डीगढ़।

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 11-4-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 11 अप्रैल, 1974

सं० एल० डी० एम०/1426/73-74 — यतः मुझे जी० पी० मिह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मं० सलेम टाबरी है जो लुधियाना में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णतया वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 18) के अधीन अक्टूबर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जगवसाथा पुत्र श्री जीवन लाल निवासी सलेम टाबरी मोहल्ला लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री दिवान जगदीश चन्द्र वकील पुत्र श्री दीवान लछमन दास, मिबिल लाइन लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 8 कनाल सलेम टाबरी लुधियाना में जैसे कि रजिस्ट्रीकृत राजिस्ट्रेट के विलेख न० 6723 अक्टूबर, 1973 को सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर में लिखा है।

जी० पी० मिह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 11-4-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़ दिनांक 11 अप्रैल, 1974

मं० एल० डी० एम०/1427/73-74—यतः मुझे जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी मं० भोग है जो जमीन भोग, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मत प्रकाश पुत्र श्री गुरुदाम राम (ii) श्री जगीर राज पुत्र श्री नारायण दाम (निवासी बृल मिन्डीकेट, जी० टी० रोड लुधियाना ।

(अन्तरक)

(2) मै० कैलाश ग्रैंड और कोल्ड स्टोरेज वाई पास जी० टी० रोड लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।
उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन गाव भोग, तहसील लुधियाना जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के रजिस्ट्रार विलेख नं० 6512, अक्तूबर, 1973 में सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर में लिखा है ।

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 11-4-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज बंगलूर का कार्यालय

बंगलूर, दिनांक 22 अप्रैल, 1974

सं० सी०आर० 62/1808/73-74 ए०सी०न्यू (बी) यतः मुझे
आर कृष्णामूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) बंगलूर-27
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी
सं० स्थावर सम्पत्ति का पुराना न० 76/89 (नया न० 111)
है जो डायगोनल रोड विश्वपुरम्, बंगलूर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री कर्ता
अधिकारी के कार्यालय बसवनगुडि बंगलूर-4 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-10-1973 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के
लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं ।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री डी० एम० अनन्त राव न० 8, बसप रोड शम्शुनी-
नगर, बंगलूर-27 ।

(अन्तरक)

(2) श्री 1, ए० खीमराज 2, ए० प्रेम चन्द्र 3, ए० हुकुमचन्द्र
4, बी० परसमल न० 24 डी० एम० लेन बंगलूर-53 ।

(अन्तरिती)

(3) दी करनाटक एजुकेशन एग्जामिनेशन बोर्ड
(वह व्यक्ति, जिसके अधिधोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एसद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसमें ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति पुराना न० 76/89 (नया न० 111)
डायगोनल रोड, विश्वेस्वरपुरम्, बंगलूर ।

आर० कृष्णामूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर ।

तारीख : 22-3-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, विमांक 27 मार्च 1974

सं० सि० आर० 62/1851/73-74-ग०सी०क्यू० (बी०)-
यतः मुझे आर० कृष्णामूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण), बंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 29, 30 और 31 है, जो डी० एस० लेन चिकपेट,
बंगलूर सिटी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गान्धीनगर,
बंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 22-10-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-
कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
बेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों; अर्थात् :—

4—136 GI/74

(1) श्री डी० एस० राधाकृष्ण, 2 श्री डी०एस० नागराज
3 डी० एस० प्रकाश नं० 4, वेस्ट सर्कल रोड विसवे-
श्वरपुरम बंगलूर-4

(अन्तरक)

(2) (i) श्री एम० जीवरज (ii) एल० मदन राज द्वारा
मै० लालचन्द्र जीवन राज एण्ड कम्पनी, डी०एस० लेन
चिकपेट, बंगलूर।

(अन्तरिती)

(3) (i) श्री एम० कृष्णामूर्ति एण्ड संस (ii) चिमन लाल
एण्ड कम्पनी (iii) मोहन लाल पुरराज अंड कम्पनी
(iv) पी० टी० शेनगोडा मुखलियार।
(वह व्यक्ति, जिसके अधियोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जान के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 29, 30, और 31 जो डी० एस० लेन
(के० एस० लेन), चिकपेट, बंगलूर सिटी में स्थित है।

आर० कृष्णामूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

तारीख : 27-3-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 27 मार्च 1974

सं० सि०आर० 62/1850/73-74 ए०सी०क्यू०(बी०)—
यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
बैंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०
नं० 9, II क्रम, शान्ता वीरय्या लेन, बैंगलूर सिटी में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर, बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-10-1973
का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री एम० एच० अम्पाजी सपुत्र श्री लेट मन्डी हरिश्चन्द्र
बोल्ड तरगुपेट बैंगलूर सिटी।

(अन्तरक)

(2) श्री रिक्काब चन्द सपुत्र श्री गणेशमलजी नं० 87,
मिन्ट स्ट्रीट मद्रास-3।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थायर सम्पत्ति नं० 9 शान्तावीरय्या लेन, II क्रम, बैंगलूर सिटी

आर० कृष्णमूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर।

तारीख: 27-3-74

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 27 मार्च 1974

सं० सि०आर० 62/1890/73-74-ए०सी०क्यू० (बी०)।—
यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति सहायक आयकर, आयुक्त (निरीक्षण) बंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 48 और 48/3 है, जो जयचामराजेंद्र रोड, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में बसवन्-गुडि, बंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-10-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जी० एस० आचार्य सपुत्र श्री बी० जी० एस० आचार्य नं० 173, I ब्लाक, II मैन् IV काम जयनगर बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० नरसिमहय्या स्वामी डडिपि होटल, सन्तेपेट, चित्तदुर्ग।

(अन्तरिती)

(3) (1) रयानिम इण्डिया लिमिटेड (फार्मास्यूटिकल डिवीजन) (2) सिलवीनियां एंड लक्ष्मन कम्पनी (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थायर सम्पत्ति नं० 48 और 48/3 जयचामराजेंद्र रोड, बंगलूर।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 27-3-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1974

सं० आर०ए०सी०/171/74—यतः मुझे एस्० बाले सुब्रमण्यम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 3-5-576 विठल बाड़ी है, जो नारायनगूडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री (1) सम्यद भियायुर रेहमान हाशमी (2) सैयद फजलुर रेहमान हाशमी पुत्र सम्यद अब्दुर रेहमान हाशमी मुस्तार नामादार श्रीमती सियादतु न्निसा बेगम नं० 433 स्पेशल ए०-क्वाटर्स आगापुरा, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री (1) बी० रमेश रेड्डी (2) बी० कलावती (3) श्रीमती बी० सुशीला बाई नं० 3-6-140 से 140/5 हिमायत नगर हैदराबाद ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती की दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

सम्पत्ति :—नं० 3-5-576, विठल बाड़ी नारायनगूडा, हैदराबाद क्षेत्रफल, 1300 वर्गगज ।

एस्० बाल सुब्रमण्यम्,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 2-4-74

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

तत्त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 27 मार्च 1974

सं० सि०आर० 62/1859/73-74 ए०सी०क्यू० (बी०) —
यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) बैंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जिसकी सं० नं० 50-53 है, जो ब्रिगेड रोड, बैंगलूर में स्थित
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर, बैंगलूर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
22-10-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती गोकुला, III धर्मराजाकोयल स्ट्रीट बैंगलूर, ।
(न्तरक)

(2) मै० कोशीस प्राइवेट लिमिटेड नं० 39 सैं 5 मार्क्स
रोड, बैंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहीयां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

स्थायर सम्पत्ति नं० 50-53, ब्रिगेड रोड, बैंगलूर ।

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज, बैंगलूर ।

तारीख : 27-3-74 ।

मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

अनुभाग अधिकारी ग्रेड (रेल बोर्ड) सीमित

विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1975

नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1974

सं० एफ० 14/1/74-ई० I(बी०)—भारत के राजपत्र दिनांक 6 जुलाई, 1974, में रेल मंत्रालय (रेल बोर्ड) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार रेल सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड की "चयन सूची" में सम्मिलित करने हेतु संघ लोक सेवा आयोग द्वारा दिल्ली में 14 जनवरी, 1975, से एक सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यदि चाहे तो, परीक्षा के प्रारंभ होने की उपर्युक्त तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश-प्राप्त उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। (देखिए उपाबन्ध II का पैरा 9)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर अनुभाग अधिकारी ग्रेड की चयन सूची में सम्मिलित करने हेतु चयन किए जाने वाले उम्मीदवारों की संख्या 4 होगी। (इसमें अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित एक रिक्ति सम्मिलित है)।

इस संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

3. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन प्रपत्र तथा परीक्षा से संबंध पूर्ण विवरण एक रुपया देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि, सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनीआर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए और मनीआर्डर कूपन पर उम्मीदवार का नाम और पता तथा परीक्षा का नाम, साफ बड़े अक्षरों में लिखा होना चाहिए। मनीआर्डर के स्थान पर पोस्टल आर्डर या बैंक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नक़द भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। एक रुपये की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

नोट :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र अनुभाग अधिकारी ग्रेड (रेल बोर्ड) सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1975 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। अनुभाग अधिकारी ग्रेड (रेल बोर्ड) सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1975 के लिए निर्धारित आवेदन-प्रपत्रों से हतर प्रपत्रों पर प्रस्तुत आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

4. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पास 2 सितम्बर, 1974 तक या उससे पूर्व अवश्य पहुंच जाना

चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. उक्त परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को उपाबन्ध 1 में निर्धारित परीक्षा शुल्क का भुगतान उसमें निर्दिष्ट रीति से अवश्य करें।

जिन आवेदन-पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो उपाबन्ध I के पैरा 2 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

6. यदि कोई उम्मीदवार, 1974 में ली गई अनुभाग अधिकारी ग्रेड (रेल बोर्ड) सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा में बैठा हो और अब इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन करना चाहता हो तो उसे परीक्षा फल या नियुक्ति प्रस्ताव की प्रतीक्षा किए बिना ही अपना आवेदन-पत्र अवश्य भेज देना चाहिए ताकि वह निर्धारित तारीख तक आयोग के कार्यालय में पहुंच जाए। यदि वह 1974 में ली गई परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति हेतु अनुशंसित कर दिया जाता है तो उसके अनुरोध पर 1975 की परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उसको उसी प्रकार शुल्क लौटा दिया जाएगा जिस प्रकार उपाबन्ध 1 के पैरा 3 के अनुसार उस उम्मीदवार को लौटा दिया जाता है जिसे परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाता।

7. उम्मीदवार के अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने से संबंध उसके किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

एम० एस० प्रूथी,
उप सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

उपाबन्ध I

1. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को शुल्क के रूप में रु० 28.00 (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 7.00) के रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डरों द्वारा भुगतान अवश्य करें। आयोग अन्य विधि से किए गए भुगतान को स्वीकार नहीं करेगा।

2. आयोग, यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और व 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व प्रजनन कर भारत आ गया था या वह बर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963, को या उसके बाद प्रजनन कर भारत आया है, या वह श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद प्रजनन कर भारत आया है और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

3. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु जिसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो उसे रु० 15.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के मामले में रु० 4.00) की राशि वापस कर दी जाएगी।

उपर्युक्त व्यवस्था और नोटिस के पैरा 6 में उल्लिखित व्यवस्था को छोड़ कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

उपाबन्ध II

उम्मीदवारों को अनुदेश

1. इस नोटिस के पैरा 3 में उल्लिखित रीति के अनुसार इस परीक्षा में संबद्ध नोटिस, नियमावली, आवेदन प्रपत्र तथा अन्य विवरण संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं। उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं की जा सकती है।

2. (i) उम्मीदवार को आवेदन-पत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। सभी प्रविष्टियाँ/उत्तर शब्दों में होनी/होने चाहिए, रेखा या बिंदु आदि के द्वारा नहीं। अधूरा या गलत भरा भरा हुआ आवेदन-पत्र, संभव है, अस्वीकार कर दिया जाए।

नोट :—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-प्रपत्र के कालम 6 में उस भाषा के नाम का स्पष्ट उल्लेख करना चाहिए जिसमें वे (i) कार्यालय क्रियाविधि तथा कार्य प्रणाली, (ii) भारतीय संविधान तथा सरकारी मशीनरी का सामान्यज्ञान, संसद से संबद्ध कार्य-प्रणाली तथा क्रियाविधि और (iii) उक्त परीक्षा की नियमावली के परिशिष्ट के पैरा 4 के अनुसार सामान्यज्ञान के प्रश्न-पत्रों के उत्तर देना चाहते हैं। एक बार दिया गया विकल्प अंतिम समझा जाएगा, तथा उक्त कालम में परिवर्तन करने से संबद्ध किसी अमरुोध पर विचार नहीं किया जाएगा। यदि उक्त कालम में कोई प्रविष्टि नहीं की जाती है तो यह मान लिया जाएगा कि उक्त प्रश्न-पत्र (प्रश्न-पत्रों) के उत्तर अंग्रेजी में लिखे जाएंगे।

(ii) भरे हुए आवेदन-पत्र तथा पावती कार्ड सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजने ताकि वे उसके पास नोटिस में निर्धारित अंतिम तारीख तक पहुंच जाए।

नोटिस में निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले आवेदन-पत्र पर आयोग द्वारा विचार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवार को अपना आवेदन-पत्र संबद्ध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत ही भेजना चाहिए जो आवेदन-पत्र के अंत में दिए गए पृष्ठांकन को भर कर आयोग को भेज देगा।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्र अवश्य भेजने चाहिए।

(i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर (देखिए उपाबन्ध 1)।

(ii) आयु के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि/

(iii) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 से० मी० × 7 से० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां।

(iv) जहां लागू हो वहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित आदिम जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाणपत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।

(v) जहां लागू हो वहां आयु/शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5)।

नोट :—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त सब (ii) (iv) तथा (v) पर उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतिलिपियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभि-प्रमाणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार परीक्षा के परिणामों के आधार पर सेवा अभिलेख के मूल्यांकन के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाद उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों की मूल प्रतियां प्रस्तुत करनी होंगी। परिणामों के मई, 1975 के महीने में घोषित किए जाने की संभावना है। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्रों को तैयार रखना चाहिए और लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाद आयोग को भेज देना चाहिए। जो उम्मीदवार अपेक्षित मूल प्रमाण-पत्र मांगे जाने पर नहीं भेजेंगे उनकी उम्मीद-वारी रद्द कर दी जाएगी और आगे विचार के लिए उन उम्मीदवारों का कोई दावा नहीं होगा।

मद (i) से (iii) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं और मद (iv) और (v) के विवरण पैरा 4 और 5 में दिए गए हैं।

(i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर—

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः इस प्रकार रेखांकित किए जाए



तथा इस प्रकार भरा जाए :—

PAY TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC

SERVICE COMMISSION AT NEW DELHI GENERAL POST OFFICE.

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्टमास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के जनरल डाकघर पर देय किए गए हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ii) आयु का प्रमाण पत्र :— आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा संग्रहित विश्वविद्यालय के मैट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण में दर्ज की गई हो। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा का प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के इस भाग में आए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित है।

कभी कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हैडमास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहाँ से वह मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में उत्तीर्ण हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेश में निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न हो और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

नोट-1 :—जिम उम्मीदवार के पास पढाई पूरी करने के बाद माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयु से संबद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि ही चाहिए।

नोट 2 :—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

नोट-3 :—जो उम्मीदवार पहले ही से स्थाई सरकारी नौकरी में है, उनकी सेवा-युक्तिका की प्रविष्टियों को जन्म की तारीख के प्रमाण-स्वरूप स्वीकार किया जा सकता है।

(iii) फोटो की दो प्रतियाँ :—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० X 7 सें० मी०) के फोटो की एक जैसी दो प्रतियाँ अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह भत्पी कर देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान दें :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ ऊपर पैरा 3 (ii) तथा 3 (iii) में उल्लिखित प्रमाण-पत्र आदि में से कोई एक संलग्न न हो और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी। यदि कोई प्रमाण-पत्र आदि आवेदन-पत्र के साथ न भेजे गए हों तो उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बाद शीघ्र ही भेज देना चाहिए और वे हर हालत में आवेदन-पत्र प्राप्त करने के लिए निर्धारित अंतिम तारीख से एक महीने के भीतर आयोग के कार्यालय में पहुंच जाने चाहिए यदि ऐसा न किया गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति या होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के जिममें उसके माता-पिता (या जीवित माता-पिता) ग्राम तौर से रहते हों, नीचे दंगित जिला अधिकारी या उप-मण्डल अधिकारी या निम्नलिखित किसी अन्य ऐसे अधिकारी से जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर, उसको एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता-पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहाँ उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से ग्राम-तौर पर रहता हो।

भारत सरकार के पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*
 सुपुत्र/सुपुत्री/श्री* जो गांव/कस्बा*
 जिला/मंडल* राज्य/संघ
 राज्य* क्षेत्र के/की *निवासी है—
 जाति/आदिम जाति के/की* है। जिसे निम्नलिखित के अधीन अनु-
 सूचित जाति अनुसूचित आदिम जाति रूप में मान्यता दी गई है।—

बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960 तथा पंजाब पुनर्गठित
 अधिनियम 1966 के साथ पठित अनुसूचित जातियों और अनुसूचित
 आदिम जातियों की सूचियां (संशोधन) आदेश, 1956*।

संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश,
 1956*।

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित आदिम
 जातियां आदेश, 1959*।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश,
 1962*।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित आदिम जातियां
 आदेश, 1962*।

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964*।

संविधान (अनुसूचित आदिम जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश,
 1967*।

संविधान (गोआ, दमन और दियु) अनुसूचित जातियां आदेश,
 1968*।

संविधान (गोआ, दमन और दियु) अनुसूचित आदिम जातियां
 आदेश, 1968*।

संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित आदिम जातियां आदेश,
 1970*।

2. श्री/श्रीमती/कुमारी*—

और या *उनका परिवार आम तौर से गांव कस्बा—

जिला/मंडल*

राज्य/संघ राज्य* क्षेत्र में
 रहते/रहती है*।

हस्ताक्षर —

**पदनाम —

(कार्यालय की मोहर)

स्थान—

तारीख —

राज्य

संघ राज्य क्षेत्र*

*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

नोट:—यहां "आम तौर से रहते/रहती है" का अर्थ वही होगा जो
 "ग्रिजेंटेशन आफ दि पीपुल एक्ट, 1950" की धारा
 20 में है।

**अनुसूचित जाति/आदिम जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के
 लिए सक्षम अधिकारी

5-136 GI/74

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/क्लेक्टर/
 डिप्टी कमिशनर/एडीशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी कलेक्टर/प्रथम
 श्रेणी का स्टेशनरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब-डिविजनल
 मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एग्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा कमिस्टेंट
 कमिशनर।

†(प्रथम श्रेणी के स्टेशनरी मैजिस्ट्रेट से कम ओहदे का नहीं।)

(ii) चीफ प्रसीडेंसी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रसीडेंसी
 मैजिस्ट्रेट/ प्रसीडेंसी मैजिस्ट्रेट।

(iii) रेविन्यू अफसर जिनका ओहदा तहसीलदार से कम न
 हो।

(iv) उस इलाके का सब डिविजनल अफसर जहां उम्मीदवार
 और या उसका परिवार आम तौर से रहता हो।

(v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमेंट
 अफसर (लक्षद्वीप)

5. (i) नियम 4 (2) (ग) की मद (ii) या मद
 (iii) के अंतर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट का दावा करने
 वाले भूतपूर्व पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित
 प्राधिकारियों में से किसी एक के लिए गए प्रमाण-पत्र की एक
 अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत
 करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से आया हुआ वास्त-
 बिक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 को या उसके
 बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व प्रजनन कर भारत आया है:—

- (1) दण्डकारण्य परियोजना के ट्राजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न
 राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के कैम्प कमांडेंट।
- (2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास
 कर रहा है।
- (3) संबद्ध जिलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी
 अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।
- (4) अपने ही कार्यभार के अधीन संबद्ध सब-डिवीजन का
 सब-डिवीजनल आफिसर।
- (5) उप शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिम बंगाल/निदेशक
 (पुनर्वास) कलकत्ता।

यदि वह उपबन्ध I के पैरा 2 के अंतर्गत शुल्क से छूट चाहता
 है तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी
 राजपत्रित अधिकारी से अथवा समद या राज्य विधान मंडल के किसी
 सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित-प्रमाणित प्र-
 तिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित
 शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(ii) नियम 4 (2) (ग) की मद (vi) या मद
 (vii) के अंतर्गत निर्धारित आयु में छूट का दावा करने वाले
 श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय
 व्यक्ति को श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) में भारत के उच्च आयुक्त
 के कार्यालय से लिए गए इस आशय के प्रमाण पत्र की एक अभि-
 प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भार-

तीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964, के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964, को या उसके बाद भारत आया है।

यदि वह उपाबन्ध 1 के पैरा 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहता है तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मण्डल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(iii) नियम 4 (2) (ग) की मद (ix) या मद (x) के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट चाहने वाले वर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास रंगून द्वारा किए गए पत्रिचान प्रमाण पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण पत्र की एक प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।

यदि वह उपाबन्ध 1 के पैरा 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहता है तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मण्डल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(IV) नियम 4(1) और/या नियम 4(2) (ख) के नीचे दिए गए नोट के अनुसार इस परीक्षा में प्रवेश के लिए पात्रता को दावा करने वाले उम्मीदवार को अपने आवेदन-प्रपत्र के साथ रक्षा मंत्रालय से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसने 26 अक्टूबर, 1962 के बाद सशस्त्र सेनाओं में सेवा आरम्भ की थी। इस प्रमाण-पत्र में सशस्त्र सेनाओं में उसके सेवा आरम्भ करने की वास्तविक तारीख तथा सशस्त्र सेनाओं से उसके प्रत्यावर्तन की तारीख लिखी होनी चाहिए।

(V) नियम 4(2) (ग) की मद (IV) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले पांडिचेरी सघ राज्य क्षेत्र के उम्मीदवार को उस शिक्षा संस्था के प्रिंसिपल से, जिसमें उसने शिक्षा प्राप्त की है, लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसने किसी स्तर पर फौज के माध्यम से शिक्षा प्राप्त की है।

(VI) नियम 4 (2) (ग) की मद (V) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले गोआ, दमन और दियु के सघ राज्य क्षेत्र के उम्मीदवार को अपनी मांग की पुष्टि के लिए निम्न-लिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र

की के अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए:—

- (1) सिविल प्रशासन का निदेशक,
- (2) कौंसलहोस के प्रशासक,
- (3) मामलातदार।

(VII) नियम 4 (2) (ग) की मद (VIII) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य टंजानिया (भूतपूर्व टंकानिका तथा जंजीबार) से आए हुए उम्मीदवार को, उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से, जहां वह इस समय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से आया है।

(VIII) नियम 4(2) (ग) की मद (XI) अथवा मद (XII) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, पुनर्वासन, रक्षा मंत्रालय से नीचे दिए हुए निर्धारित फार्म पर प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ है।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट _____ के रैंक नं० _____ श्री _____ रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में/अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर _____
पदनाम _____
तारीख _____

*जो शब्द लागू न हो उसे कृपया काट दें।

6. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई झूठा ब्योरा न दें अथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उसको परिवर्तन करें और न कोई फेरबदल करें और न ही फेर बदल किए गए झूटे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

7. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-प्रपत्र

हम्रुमक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-पत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

संघ लोक सेवा आयोग

विज्ञापन सं० 27

8. यदि परीक्षा से संबद्ध आवेदन-पत्रों के पहुंच जाने की आखिरी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती (एकनालिजमेंट) न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए।

9. इस परीक्षा से संबद्ध प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के आरम्भ होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

10. परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए उम्मीदवारों को संघ लोक सेवा आयोग से कोई यात्रा-भत्ता नहीं मिलेगा।

11. आवेदन-पत्र से संबद्ध पत्र व्यवहार :—आवेदन-पत्र से संबद्ध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा ध्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाए :—

- (1) परीक्षा का नाम,
- (2) परीक्षा का महीना और वर्ष,
- (3) उम्मीदवार का रोल नम्बर, अथवा जन्म की तारीख यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया है।
- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)
- (5) आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र व्यवहार का पता

नोट :—जिन पत्रों आदि में यह ध्यौरा नहीं होगा संभवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

12. पत्रों में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पत्रों पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसके बदले हुए पत्रों पर मिल जायें। पत्रों में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 11 में उल्लिखित ध्यौरे के साथ, यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा पूरा प्रयत्न करता है फिर भी इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

निम्नलिखित पदों के लिए आवेदन-पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। उम्मीदवारों की आयु 1-1-1974 को निर्धारित आयु-सीमाओं के अंतर्गत होनी चाहिए, किन्तु सरकारी कर्मचारियों को, उन पदों को छोड़कर जिनके संबंध में ऐसी छूट न देने का उल्लेख किया गया हो, आयु-सीमा में छूट दी जा सकती है। ऊपरी आयु-सीमा में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से आए विस्थापित लोगों तथा बर्मा और श्रीलंका से प्रत्यावर्तित व्यक्तियों तथा कीनिया, उगांडा और संयुक्त गणराज्य टंजानिया के पूर्वी अफ्रीकी देशों से प्रजनन कर आए लोगों के कुछ वर्गों को 45 वर्ष की आयु तक छूट दी जा सकती है। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए ऊपरी आयु-सीमा में 5 वर्ष की छूट दी जा सकती है। विशिष्ट परिस्थितियों को छोड़कर अन्य लोगों को किसी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी और यह छूट किसी भी स्थिति में 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी। अन्य दृष्टियों से सुयोग्य उम्मीदवारों को, आयोग यदि चाहे तो, योग्यताओं में छूट प्रदान कर सकता है। केवल उन पदों को छोड़कर जिनके संबंध में ऐसा वेतन न देने का उल्लेख किया गया हो, विशेषतया योग्य एवं अनुभवी उम्मीदवारों को उच्च प्रारम्भिक वेतन दिया जा सकता है।

आवेदन-पत्र और विवरण सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहां रोड, नई दिल्ली-110011, से प्राप्त किए जा सकते हैं। प्रपत्र के लिए अनुरोध करते समय पद का नाम, विज्ञापन संख्या एवं मद-संख्या अवश्य लिखें और साथ ही प्रत्येक पद के लिए कम से कम 23×10 सें० मी० आकार का अपना पता लिखा हुआ टिकट रहित लिफाफा भेजना चाहिए। लिफाफे पर उस पद का नाम लिखा होना चाहिए जिसके लिए आवेदन-पत्र मांगा जा रहा है। आयोग 1-1-1964 को या उसके बाद किन्तु 25-3-1971 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से प्रजनन कर आए वस्तुतः विस्थापित तथा 1 जून, 1963 और 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद क्रमशः बर्मा और श्रीलंका से प्रत्यावर्तित व्यक्तियों का शुल्क भाग कर सकता है जो यथार्थतः निर्धन हों। प्रत्येक पद के लिए अलग-अलग शुल्क के साथ अलग-अलग आवेदन-पत्र भेजना चाहिए। विदेशों में रहने वाले उम्मीदवार आवेदन-पत्र न मिलने पर सादे कागज पर आवेदन कर सकते हैं और स्थानीय भारतीय दूतावास में शुल्क जमा कर सकते हैं। अपेक्षित होने पर उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए उपस्थित होना पड़ेगा। रु० 8.00 (अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित आदिम जातियों के लिए रु० 2.00) के रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर सहित आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अंतिम तारीख 5 अगस्त, 1974 (विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह तथा लक्षद्वीप में रहने वाले आवेदकों के लिए 19 अगस्त, 1974) है। खजाना रसीदों को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

क्रम-संख्या 6, 11, 15 तथा 24 के पद स्थायी है किन्तु उन पर नियुक्ति अस्थायी आधार पर की जाएगी। क्रम-संख्या 10 तथा 21 के पद अस्थायी है किन्तु उनके स्थायी कर दिए जाने की संभावना है। क्रम-संख्या 1 से 5, 7 से 9, 12, 14, 16 से 19, 22, 23 तथा 25 के पद अस्थायी हैं। किन्तु उनके अनिश्चित काल तक चलते रहने की संभावना है। क्रम-संख्या 13 का पद अस्थायी है किन्तु उसके दीर्घ कालीन आधार पर चलते रहने की संभावना है। क्रम-संख्या 20 का पद अस्थायी है किन्तु उसके चलते रहने की संभावना है।

क्रम-संख्या 10 तथा 25 में प्रत्येक का एक पद अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है। क्रम-संख्या 16 का पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है और उसके लिए केवल वे ही आवेदन करें। क्रम-संख्या 23 के तीन पद तथा क्रम-संख्या 24 का पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है और उनके न मिलने पर अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रहेगा और दोनों के न मिलने पर अनारक्षित समझा जाएगा। क्रम-संख्या 23 का एक पद अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है और उनके न मिलने पर अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रहेगा और दोनों के न मिलने पर अनारक्षित समझा जाएगा। क्रम-संख्या 10 का एक पद अनुसूचित आदिम जाति से सम्बद्ध आपात-कालीन आयुक्त/अल्पकालीन सेवा आयुक्त अधिकारियों के वर्ग के उन उम्मीदवारों के लिए यदि ऐसे उपयुक्त उम्मीदवार मिलते हैं तो जिन्हें 1-11-1962 को या उसके बाद किन्तु 10-1-1968 से पूर्व सशस्त्र सेनाओं में कमीशन प्राप्त था या जो परवर्ती तारीख से पहले किसी कमीशन पूर्व प्रशिक्षण में सम्मिलित हो गए थे किन्तु जिन्हें उस तारीख से बाद कमीशन प्राप्त हुआ था और जो निर्मुक्त हों/मैन्य सेवा के कारण हुई विकलांगता के फलस्वरूप अपांग हों/निर्मुक्त होने वाले हो अन्यथा उक्त पद को अनारक्षित समझा जाएगा।

1. एक मुख्य प्रदर्शनी अधिकारी, विज्ञापन एवं वृक्ष प्रसार निदेशालय, सूचना और प्रसारण मंत्रालय। वेतन :—रु० 1100-50-1400। आयु-सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। अथवा किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कला में डिग्री/डिप्लोमा अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) प्रदर्शन पद्धतियों का अच्छा ज्ञान तथा प्रदर्शनियों के स्वरूप निर्धारण या संगठन का अनुभव। (iii) प्रचार तथा जन संपर्क कार्य का लगभग 8 वर्ष का अनुभव जिसमें प्रदर्शनियों आदि के लिए विषय वस्तु लेखन सम्मिलित हो। (iv) किसी दायित्वपूर्ण हैसियत में लगभग 4 वर्ष का प्रशासनिक अनुभव।

2. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड 1, गैस टरबाइन अनुसंधान प्रतिष्ठान, बंगलौर, अनुसंधान एवं विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 700-50-1250। आयु :—वरीयत : 40 वर्ष से कम। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यता-प्राप्त विश्वविद्यालय से यंत्र प्रौद्योगिकी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री या समकक्ष योग्यता। (ii) वायुयान इंजिन तथा पुर्जों के अनुसंधान, विकास तथा परीक्षण के लिए यंत्र-व्यवस्था का लगभग 4 वर्ष का अनुभव।

3. दो वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड II, गैस टरबाइन अनुसंधान प्रतिष्ठान, बंगलौर, अनुसंधान एवं विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 400-40-800-50-950। आयु :—वरीयत : 30 वर्ष से कम। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से यांत्रिक इंजीनियरी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री या समकक्ष योग्यता। (ii) वायुयान/वायुयान/इंजिन/यांत्रिक इंजीनियरी उद्योग या संगठन में यंत्र-अभिकल्पन/ओजार अभिकल्पन का दो वर्ष का अनुभव।

4. तीन वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड II, गैस टरबाइन अनुसंधान प्रतिष्ठान, बंगलौर, अनुसंधान एवं विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 400-40-800-50-950। आयु :—वरीयत : 30 वर्ष से कम। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से यांत्रिक/वैमानिक इंजीनियरी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री या समकक्ष योग्यता। (ii) गैस टरबाइन इंजिन और पुर्जों के अनुसंधान/अभिकल्पन/विकास/प्रतिबल का दो वर्ष का अनुभव।

5. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड II, गैस टरबाइन अनुसंधान प्रतिष्ठान, बंगलौर, अनुसंधान एवं विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 400-40-800-50-950। आयु :—वरीयत : 30 वर्ष से कम। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से वैमानिक/यांत्रिक इंजीनियरी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री या समकक्ष योग्यता। (ii) वायुयान-इंजिन के कार्य-चालन विश्लेषण की समस्याओं के सक्थ में वायुयान प्रणोदन में लगभग दो वर्ष का अनुभव।

6. यांत्रिक इंजीनियरी का एक आस्थाता, दिल्ली कालेज आफ इंजीनियरिंग दिल्ली, दिल्ली प्रशासन। वेतन :—रु० 400-40-800-50-950। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से यांत्रिक इंजीनियरी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री या समकक्ष योग्यता तथा साथ में कम से कम 3 वर्ष का अध्यापन/अनुसंधान/व्यावसायिक अनुभव अथवा किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से यांत्रिक इंजीनियरी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की "मास्टर" डिग्री या समकक्ष योग्यता।

7. एक सहायक इंजीनियर (यांत्रिक) जहाजरानी व परिवहन मंत्रालय (परिवहन स्कंध)। वेतन :—रु० 650-30-740-35-810-रु० 35-880-40-1000-रु० 40-1200। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से यांत्रिक इंजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। अथवा (i) किसी मान्यताप्राप्त संस्था से इंजीनियरी में डिप्लोमा या समकक्ष योग्यता। (ii) किसी बृहत् यांत्रिक या सामुद्रिक कार्यशाला या संगठन में दायित्वपूर्ण हैसियत से पाँच वर्ष का अनुभव।

8. आठ कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, गैस टरबाइन अनुसंधान प्रतिष्ठान, बंगलौर, अनुसंधान एवं विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 650-30-740-35-810-रु० 35-880-40-1000-रु० 40-1200। आयु :—वरीयत : 30 वर्ष से कम। योग्यताएं : अनिवार्य :—किसी मान्यताप्राप्त

विश्वविद्यालय में यांत्रिक/वैमानिक इंजीनियरी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री या समकक्ष योग्यता।

9. एक कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला, हैदराबाद, अनुसंधान एवं विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 परिशोधित रु० 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200। आयु :—वरीयतः 30 वर्ष से कम। योग्यताएं : अनिवार्य :—किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से वैमानिक इंजीनियरी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री या समकक्ष योग्यता।

10. आठ वैज्ञानिक सहायक (भौतिक), राष्ट्रीय परीक्षण-शाला, कलकत्ता। वेतन :—रु० 550-25-750-द० रो०-30-900। आयु सीमा :—30 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—चार पदों के लिए :—यांत्रिक इंजीनियरी/धातुविज्ञान में डिग्री या इंजीनियरी सामग्रियों के विशिष्ट ज्ञान सहित शुद्ध या प्रयुक्त भौतिकी में एम० एम० सी० डिग्री या समकक्ष योग्यता। दो पदों के लिए :—शुद्ध/प्रयुक्त भौतिकी में एम० एम० सी० डिग्री या धातुविज्ञान/वैद्युत् इंजीनियरी/यांत्रिक इंजीनियरी में डिग्री या समकक्ष योग्यता। दो पदों के लिए :—मिविल इंजीनियरी में डिग्री या शुद्ध या प्रयुक्त भौतिकी में एम० एम० सी० डिग्री या इंजीनियरी सामग्रियों के विशिष्ट ज्ञान सहित प्रयुक्त रसायन विज्ञान में एम० एम० सी० या समकक्ष योग्यता।

11. एक आचार्य, (मत्स्य जीव विज्ञान) मत्स्यिकी शिक्षा का केन्द्रीय संस्थान, कृषि मंत्रालय, कृषि विभाग। वेतन :—रु० 700-40-1100-50/2-1250। आयु-सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से प्राणिविज्ञान में "मास्टर" डिग्री या समकक्ष योग्यता। (ii) मत्स्य जीव विज्ञान में विकास और अनुसंधान के अनुभव के साथ साथ लगभग 7 वर्ष का व्यावहारिक अनुभव।

12. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड I, वस्त्र तथा भण्डार अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान, कानपुर, अनुसंधान एवं विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 700-50-1250। आयु :—वरीयतः 40 वर्ष से कम। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से वस्त्र रसायन में कम से कम द्वितीय श्रेणी की "मास्टर" डिग्री या समकक्ष योग्यता। (ii) किसी सरकारी उपक्रम/उद्योग/विख्यात प्रयोगशाला में वस्त्र सामग्रियों के आर्द्र-प्रसाधन से संबंधित अनुसंधान/विकास कार्य का लगभग 4 वर्ष का अनुभव।

13. एक उपनिवेशक (बाद-कार्य) पूर्ति व निपटान महा-निवेशालय, पूर्ति विभाग। वेतन :—रु० 700-40-1100-50/2-1250। आयु सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से कानून में डिग्री या समकक्ष योग्यता। (ii) एडवोकेट के रूप में प्रैक्टिस का लगभग 5 वर्ष का अनुभव अथवा किसी राज्य न्यायिक सेवा के सदस्य के रूप में या किसी राज्य के विधि विभाग में किसी ऊंचे पद पर या केन्द्रीय सरकार में विधि-कार्य का निष्पादन करने वाले अधिकारी के रूप में लगभग 5 वर्ष का अनुभव। (iii) वाणिज्यिक बाद-कार्य और

माध्यस्थ्य-कार्य से मूल न्यायालय मामलों का अनुभव।

14. तीन मानव विज्ञानी (कायिक), भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, संस्कृति विभाग। वेतन :—रु० 400-40-800-50-950। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से मानव विज्ञान में मास्टर डिग्री या समकक्ष योग्यता तथा साथ में कायिक मानवविज्ञान में विशेषज्ञता का प्रमाण। (ii) लगभग दो वर्ष का अनुसंधान का अनुभव।

15. अर्थशास्त्र का एक आख्याता, दिल्ली कॉलेज आफ इंजीनियरिंग, दिल्ली। वेतन :—रु० 400-40-800-50-950। आयु सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य (i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में कम से कम द्वितीय श्रेणी की एम० ए० डिग्री या समकक्ष योग्यता तथा साथ में अध्यापन/अनुसंधान/विकास का कम से कम तीन वर्ष का अनुभव अथवा किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में डाक्टरेट डिग्री या समकक्ष योग्यता।

16. एक सहायक रोजगार अधिकारी, रोजगार और प्रशिक्षण महानिदेशालय, श्रम मंत्रालय। वेतन :—रु० 550-25-750-द० रो०-30-900। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र या सांख्यिकी या मनोविज्ञान या शिक्षा शास्त्र में 'मास्टर' डिग्री या समकक्ष योग्यता। (ii) सामाजिक-आर्थिक अन्वेषण या अनुसंधान का वरीयतः जनसांख्यिकी, रोजगार और बेरोजगारी और/या जनशक्ति समस्याओं के संबंध में एक वर्ष का अनुभव। (iii) रोजगार सेवा-कार्य का ज्ञान।

17. एक सांख्यिकीय अन्वेषक, परिवार नियोजन प्रशिक्षण एवं अनुसंधान केन्द्र, बम्बई, परिवार नियोजन विभाग, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय। वेतन :—रु० 550-25-750-द० रो०-30-900 (परिशोधित)। आयु-सीमा :—30 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से सांख्यिकी या गणित/अर्थशास्त्र/वाणिज्य (सांख्यिकी सहित) में 'मास्टर' डिग्री या समकक्ष योग्यता। अथवा किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से गणित/अर्थशास्त्र/सांख्यिकी के विषय सहित डिग्री तथा किसी मान्यताप्राप्त सांख्यिकीय संस्था में 2 वर्ष के स्नातकोत्तर प्रशिक्षण के पश्चात् प्रदत्त मान्य डिप्लोमा। (ii) सांख्यिकीय कार्य का लगभग 2 वर्ष का अनुभव जिसमें सांख्यिकीय आंकड़ों का संग्रह, विश्लेषण, क्षेत्रीय सर्वेक्षण तथा निर्वचन निहित हो।

18. एक कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, अनुसंधान एवं विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 350-900 परिशोधित रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200। आयु :—वरीयतः 30 वर्ष से कम। योग्यताएं : अनिवार्य :—किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से समुद्रविज्ञान में कम से कम द्वितीय श्रेणी की 'मास्टर' डिग्री या समकक्ष योग्यता।

19. स्वास्थ्य शिक्षा और परिवार नियोजन का एक आख्याता, जवाहर लाल स्नातकोत्तर शिक्षा तथा अनुसंधान संस्थान, पाँडिचेरी, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय। वेतन :—रु० 530-30-650 (तृतीय वेतन आयोग की अनुसंधानों

के अनुसार परिशोधित होने की संभावना है)। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय से निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय में “मास्टर” डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) मनोविज्ञान, (iii) समाज-शास्त्र, (iv) सामाजिक मानवविज्ञान, (v) समाज कार्य, (vi) नर्सिंग, (vii) शिक्षा शास्त्र। (ii) लोक स्वास्थ्य को प्रमुखता देते हुए लोक स्वास्थ्य शिक्षा में “मास्टर” डिग्री या स्वास्थ्य शिक्षा में डिप्लोमा। (iii) स्वास्थ्य शिक्षा/परिवार नियोजन/सामुदायिक विकास के क्षेत्र में पांच वर्ष का अनुभव।

20. एक लेखाकार, केन्द्रीय पशु प्रजनन फार्म, मद्रास, कृषि मंत्रालय। वेतन :—रु० 500-20-700-द० रो०-25-900। आयु-सीमा :—30 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री या समकक्ष योग्यता। (ii) किसी सरकारी विभाग या सार्वजनिक उपक्रम या विख्यात प्रतिष्ठान में लेखा तथा वजट कार्य का लगभग 5 वर्ष का अनुभव।

21. एक सहायक भविष्य निधि आयुक्त (ग्रेड II), कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, श्रम मंत्रालय। वेतन :—रु० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900। आयु-सीमा :—40 वर्ष। सरकारी कर्मचारियों तथा कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के कर्मचारियों को छूट दी जा सकती है। योग्यताएं : अनिवार्य :—इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स की सदस्यता या समकक्ष योग्यता अथवा (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री या समकक्ष योग्यता और (ii) (क) किसी सरकारी या अर्द्धसरकारी संगठन या बैंक या किसी विख्यात वाणिज्यिक फर्म में दायित्वपूर्ण पर्यवेक्षी हैसियत से या (ख) ‘बार’ में लगभग 4 वर्ष का अनुभव।

22. एक प्रचार अधिकारी, मुख्य आयुक्त का सचिवालय, अंडमान एवं निकोबार प्रशासन। वेतन :—रु० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800 (वर्तमान)। आयु सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) पत्रकारिता या सम्पादकीय कार्य या प्रचार कार्य का लगभग 2 वर्ष का अनुभव जिसमें प्रचार सामग्रियों का सृजन निहित हो।

23. इक्कीस अनुसंधान सहायक, भारतीय भाषाओं का केन्द्रीय संस्थान, मैसूर, शिक्षा विभाग, शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय। वेतन :—रु० 325-15-475-द० रो०-20-575। आयु-सीमा :—30 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—20 पदों के लिए :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से भाषाविज्ञान या किसी भारतीय भाषा में कम से कम द्वितीय श्रेणी की “मास्टर” डिग्री या समकक्ष योग्यता। (ii) भाषाविज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान या अध्यापन का लगभग एक वर्ष का अनुभव। एक पद के लिए :—(i) शिक्षा शास्त्र में कम से कम द्वितीय श्रेणी की “मास्टर” डिग्री। (ii) भाषा विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान या अध्यापन का लगभग एक वर्ष का अनुभव।

24. एक यातायात लेखाकार, समुद्रपार संचार सेवा, संचार मंत्रालय। वेतन :—रु० 325-15-475-द० रो०-20-575। आयु-सीमा :—30 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i)

किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से “एम० काम०” डिग्री या समकक्ष योग्यता। (ii) किसी सरकारी/अर्द्धसरकारी संगठन या विख्यात वाणिज्यिक प्रतिष्ठान में दायित्वपूर्ण हैसियत से सामान्य लेखाकार्य, प्रयुक्त अर्थशास्त्र या मांस्त्रिकी में लगभग दो वर्ष का अनुभव।

25. तीन मनोविकार विज्ञानी, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग), केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा ब्लास I का विशेषज्ञता ग्रेड I वेतन :—रु० 600-40-1000-द० रो०-50-1300 तथा साथ में वेतन के 50 प्रतिशत की दर से प्रैक्टिस न करने का भत्ता जो अधिक से अधिक रु० 600/- प्रतिमास होगा। आयु-सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(I) भारतीय मेडिकल काउंसिल अधिनियम, 1956, की प्रथम या द्वितीय अनुसूची में अथवा तृतीय अनुसूची के भाग II में निबद्ध (लाइसेंसिएट योग्यताओं को छोड़कर) मान्य मेडिकल योग्यता। तृतीय अनुसूची के भाग II में निबद्ध शैक्षिक योग्यताओं से युक्त उम्मीदवारों को भारतीय मेडिकल काउंसिल, अधिनियम, 1956, की धारा 13 (3) में निर्धारित शर्तों को भी पूरा करना होगा। (II) मनोविकार विज्ञान में स्नातकोत्तर योग्यताएं अर्थात् मनो-विकार विज्ञान सहित एम०-डी०, मनोविकार विज्ञान सहित एम० आर० सी० पी०, डी० पी० एम० अथवा समकक्ष योग्यता। (III) मनोविकार विज्ञान से संबद्ध किसी दायित्वपूर्ण पद पर कम से कम 3 वर्ष का कार्य।

शुद्धि-पत्र

1. एक सह आचार्य, वास्तुकला विभाग, वास्तुकला कालेज, चंडीगढ़, चंडीगढ़ प्रशासन। संदर्भ :—27-4-1974 को प्रकाशित आयोग के विज्ञापन संख्या 17 की मद संख्या 2। सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि अब उक्त पद का वेतनमान परिशोधित करके रु० 800-50-1300/50-1600 कर दिया गया है। अन्य शर्तें पूर्ववत् हैं। आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अन्तिम तारीख 5-8-1974 (विदेशों में और अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह और लक्षद्वीप में रहने वाले आवेदकों के लिए 19-8-74) तक बढ़ा दी गई है। जो व्यक्ति आयोग के पिछले विज्ञापन संख्या 17 के आधार पर पहले ही आवेदन कर चुके हैं उन्हें फिर से आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है।

2. एक वरिष्ठ प्राविधिक सहायक (वेमानिकी), सिविल विमानन महानिदेशालय। संदर्भ :—17-11-1973 को प्रकाशित आयोग के विज्ञापन सं० 46 की मद संख्या 6। सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि अब पदों की संख्या एक से बढ़ाकर चार कर दी गई है। अतिरिक्त पदों में से एक पद केवल अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों तथा एक पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है। अन्य शर्तें पूर्ववत् हैं। आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अन्तिम तारीख 5-8-1974 (विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह तथा लक्षद्वीप में रहने वाले आवेदकों के लिए 19-8-74) तक बढ़ा दी गई है। जो व्यक्ति आयोग के पिछले विज्ञापन संख्या 46 के आधार पर पहले ही आवेदन कर चुके हैं उन्हें फिर से आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है।

3. एक अनुसंधान अन्वेषक, (ग्रेड I) आर्थिक तथा सांख्यिकी निदेशालय कृषि मंत्रालय (कृषि विभाग)। संदर्भ :— 2-3-1974 को प्रकाशित आयोग के विज्ञापन संख्या 9 की मद संख्या 20। सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाना है कि अब उक्त पद पर भर्ती रुक कर दी गई है। जिन उम्मीदवारों ने आयोग के उपर्युक्त विज्ञापन के आधार पर आवेदन किया था उनके द्वारा भ्रष्टा किया गया शुल्क यथावधि वापस कर दिया जाएगा।

अनुभाग अधिकारी ग्रेड (रेल बोर्ड) सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1975

रेल बोर्ड सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड की चयन सूची में सम्मिलित करने के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 14 जनवरी, 1975 से एक सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी। यह परीक्षा केवल उन विभागीय उम्मीदवारों के

कुछ वर्गों के लिए है जो रेल बोर्ड सचिवालय सेवा के सहायक ग्रेड में नियुक्त हैं। पूर्ण विवरण तथा आवेदन-प्रपत्र सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 से रु० 1.00 के मनीआर्डर द्वारा अथवा आयोग के काउंटर पर एक रुपया नकद देकर प्राप्त किए जा सकते हैं। उम्मीदवारों को मनीआर्डर कूपन पर अनुभाग "अधिकारी ग्रेड (रेल बोर्ड) सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1975" स्पष्ट रूप से लिखना चाहिए तथा अपना नाम और पञ्च-व्यवहार का पूरा पता भी साफ अक्षरों में लिखना चाहिए। मनीआर्डर के स्थान पर पोस्टल आर्डर या बैंक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। भरे हुए आवेदन-पत्र संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 2 सितम्बर, 1974 तक अवश्य पहुंच जाने चाहिए।

अशोक चन्द्र बन्धोपाध्याय,
सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग।

CABINET SECRETARIAT

**DEPTT. OF PERSONNEL & ADM. REFORMS
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION**

New Delhi-1, the 25th June 1974

No. PF/D-2/69-AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby promotes Shri Deo Kumar Jain, P.P., C.B.I., Jaipur as Senior Public Prosecutor, in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the 10th June, 1974 (FN) in a temporary capacity, until further orders.

He relinquished charge of the office of P.P., C.B.I., Jaipur on the afternoon of the 7th June, 1974.

The 27th June 1974

No. PF/A.64/68-AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby promotes Shri A. B. Belegal, P.P., C.B.I., Bangalore as Senior Public Prosecutor in the Central Bureau of Investigation Special Police Establishment with effect from the forenoon of the 14th June, 1974 in a temporary capacity, until further orders.

No. PF/P-2/73-AD.V.—Shri P. C. Kakkar, IPS (U.P. Cadre) DIG of Police C.B.I./S.P.E. Delhi Branch, relinquished charge of his office in the C.B.I. on the afternoon of 11-6-74.

His services were placed back at the disposal of the State Government.

No. G-36/65-AD.V.—Consequent upon his selection for appointment to the post of Vigilance Officer in the Hindustan Steel Limited, Rourkela Steel Plant, the services of Shri G. N. Brahma, Dy. S.P., C.B.I. Bhubaneswar were placed at the disposal of the Hindustan Steel Limited w.e.f. the afternoon of 27-5-74.

He relinquished charge of his office in the C.B.I. on the afternoon of 27-5-74.

The 4th July 1974

No. PF/C-2/69-AD.V.—Shri Chandu Lal, Asstt. Director (Policy), C.B.I., Head Office, New Delhi relinquished charge of his office of Assistant Director (Poli-

cy) in the C.B.I./S.P.E. on the afternoon of the 10th June, 1974 on repatriation to his Parent State.

G. L. AGARWAL,
Administrative Officer (E)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

**OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE**

New Delhi-110003, the 20th June 1974

No. E-38013(2)/7/74-Ad.I.—Shri A. S. Shekhawat, Asstt. Commandant, 1st Battalion, Central Industrial Security Force, Durgapur, relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 20th April, 1974 and assumed the charge of the post of Asstt. Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Durgapur Steel Plant, Durgapur, with effect from the forenoon of the same date.

No. E-38013(2)/7/74-Ad.I.—Shri N. N. Mohanty, Assistant Commandant No. 18th Battalion, Central Industrial Security Force, Rourkela, relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 20th April, 1974 and assumed the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Rourkela Steel Plant, Rourkela, with effect from the forenoon of the same date.

No. E-33013(2)/7/74-Ad.I.—Shri T. K. Banerjee, Assistant Commandant No. 18th Battalion, Central Industrial Security Force, Rourkela, relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 20th April, 1974 and assumed the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Rourkela Steel Plant, Rourkela, with effect from the forenoon of the same date.

The 27th June 1974

No. E-38013(2)/7/74-Ad.I.—Shri R. P. Dube, Assistant Commandant No. 4 Battalion, Central Industrial Security Force, Durgapur, relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 20th April 1974 and assumed the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Durga-

pur Steel Plant, Durgapur, with effect from the forenoon of the same date.

L. S. BISHT
Inspector General

MINISTRY OF FINANCE
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)
INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 6th June 1974

No. 1206/(A).—The undersigned is pleased to appoint Shri Prabhakar Yadao Prabhune, a permanent Inspector Control, India Security Press, Nasik Road to officiate as Deputy Control Officer (Class II Gazetted post) in India Security Press, Nasik Road in the revised scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 purely on *ad-hoc* basis for two months with effect from the forenoon of 1st June, 1974 in the vacancy caused due to retirement of Shri G. D. Pol, Deputy Control Officer *vide* this office notification No. 1183/(M) dated the 31st May, 1974.

The 19th June 1974

No. 1567/A.—The undersigned is pleased to appoint on deputation Shri D. N. Joshi, Accounts Officer, Office of the Postmaster General, Bombay, as Accounts Officer, India Security Press, Nasik Road, w.e.f. the forenoon of 7th June, 1974 for a period of three years in the first instance.

Consequent on the appointment of Shri D. N. Joshi as Accounts Officer, Shri D. V. Harkare who was holding the post of Accounts Officer on an *ad hoc* basis *vide* Notification No. 1078/(A) dated 21st May, 1974, is reverted to his substantive post of Head Accountant, Currency Note Press, w.e.f. 7/6/1974 (F.N.)

V. J. JOSHI
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
JAMMU AND KASHMIR, SRINAGAR

Srinagar, the 31st May 1974

No. Admn-I/4(26)/72-74/1032-38.—The Accountant General, Jammu and Kashmir, has appointed S/Shri Ghulam Ali, J. N. Bakshi, B. K. Kaul, and S. L. Raina, officiating Accounts Officers, in a substantive capacity in the Accounts Officers' cadre with effect from 1-3-1972, 10-5-1972, 23-7-1973 and 1-2-1974 respectively.

No. Admn-I/4(26)/72-73/1027-1031.—The Accountant General Jammu and Kashmir has appointed Shri Sultan Mohd., officiating Accounts Officer, in a substantive capacity in the Accounts Officers' cadre with effect from 1-3-1972. The said post is deemed to have been vacated by him with effect from 23-7-1973 on which date he superannuated.

No. Admn I/60(66)74-75/1350.—The Accountant General, Jammu and Kashmir, has appointed Shri Jugal Kishore Gupta, a permanent Section Officer of this office, to officiate as Accounts Officer with effect from the afternoon of 25th June, 1974, until further orders.

P. K. BOSE,
Sr. Dy. Accountant General (A&E)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, ORISSA
Bhubaneswar, the 28th Jun 1974

No. Admn-IAD-I-29(con)976(8).—The Accountant General, Orissa has been pleased to appoint substantively the following officiating Accounts Officers of this office in the cadre of Accounts Officer with effect from the date as noted against each.

1. Shri Gangadhar Nanda—1-3-1974.
2. Shri V. Krishna Bhattar—1-3-1974.

V. S. BHARDWAJ
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS
New Delhi-22, the 27th June 1974

No. 40011(2)/74-AN-A

- (a) The Controller General of Defence Accounts regrets to notify the death of Shri R. S. Vimal, Offg. AO (Roster No. 0/403) in the organisation of Controller of Defence Accounts, Patna on 28-5-1974. He is accordingly struck off the strength of the department from the forenoon of 29-5-1974.

(b) The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the Pension establishment with effect from the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

Sl. No.	Name with Roster No.	Grade	Date from which transferred to pension Estt.	Organisation
1	2	3	4	5
S/Shri				
1.	Pars Ram Saini (P/105)	Permanent Accounts Officer	31-8-74 (AN)	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.
2.	N. N. Dutta (P/213)	Permanent Accounts Officer	31-8-74 (AN)	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.
3.	S. M. Chakravarty (P/393)	Permanent Accounts Officer.	31-8-74 (AN)	Controller of Defence Accounts, Patna.

C. V. NAGENDRA
Deputy Controller General

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF
IMPORTS AND EXPORTS
IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL ESTABLISHMENT

New Delhi, the 29th June 1974

No. 6/900/70-Admn(G)/2903.—On attaining the age of superannuation, Shri Vishnu Datt Sharma, an officer of the Section Officers' Grade of the C.S.S., relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of the 30th April, 1974.

B. D. KUMAR
Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 27th June 1974

No. A-19018/40/74-Admn(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi is pleased to appoint Shri M. L. Tandon, quasi-permanent Investigator and officiating Small Industry Promotion Officer in the Small Industries Service Institute, New Delhi, to officiate as Assistant Director (Gr. II) in the Small Industries Service Institute, New Delhi on an *ad hoc* basis. He assumed charge as Assistant Director (Gr. II) in the forenoon of 22-4-74.

K. V. NARAYANAN,
Deputy Director (Admn.)

DEPTT. OF SUPPLY

Calcutta-27, the 24th June 1974

No. G-65/B(Con.).—The Director, National Test House, Calcutta, hereby appoints Shri D. S. Majumdar, a Scientific Asstt. (Phy) in the National Test House, Calcutta to officiate as Scientific Officer (Physical) in the same office with effect from the forenoon of the 31st May, 1974 on an *ad hoc* basis and until further orders.

D. K. GUPTA,
Asstt. Director (Admn.)
For Director, National Test House

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 27th June 1974

No. F.11-2/A.1.—The Director of Archives, Government of India, hereby appoints Shri Suraj Prakash, Asstt. Archivist Gr. I(Genl.) to officiate as Archivist (Genl.) on purely *ad hoc* basis, with effect from the forenoon of the 20th June 1974 until further orders.

2. The appointment is liable to termination due to reversion of officers/return from leave, deputation or reversion from higher posts or for any other reasons, and will not confer any claim for regular appointment, fixation of seniority in the grade etc.

Sd/- ILLEGIBLE
Administrative Officer
National Archives of India
for Director of Archives

MINISTRY OF STEEL AND MINES
(DEPARTMENT OF MINES)
INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 27th June 1974

No. A19011(32)/70-Estt.A.—Dr. A. M. Hussain, Mineral Economist is promoted to officiate as Superintending Mineral Economist in the Indian Bureau of Mines in 6—136GI/74

the leave vacancy of Shri A. S. Gopalachari with effect from the forenoon of 25-4-74 to 25-6-74.

A. K. RAGHAVACHARY
Sr. Administrative Officer
for Controller

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-13, the 24th May 1974

No. 2222(TM)/19A.—Shri Tapan Majumder, Assistant Geologist, Geological Survey of India, relinquished charge of his duties on the forenoon of 26th December, 1972 on resignation.

The 27th June 1974

No. 2222(RNS)/19A.—The President is pleased to appoint Shri R. N. Srivastava to the post of Geologist (Junior) in the Geological Survey of India in the revised scale of pay of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 16-4-1974, until further orders.

No. 4/72/19A.—The *ad hoc* appointment of Shri Rabi Das to the post of Assistant Stores Officer in the Geological Survey of India is regularised with effect from the forenoon of 1-6-1974, until further orders.

Shri Das was holding *ad hoc* appointment in the post of Assistant Stores Officer w.e.f. 15-2-1972.

The 28th June 1974

No. 4/72/19A.—The *ad hoc* appointments of the following officers to the posts of Assistant Stores Officer in the Geological Survey of India are regularised with effect from the forenoon of 27th April, 1974, until further orders :—

1. Shri J. K. Pal.
2. Shri J. B. Chowdhury.
3. Shri S. C. Banerjee.
4. Shri B. C. Das.
5. Shri Karan Singh.
6. Shri T. R. Gupta.
7. M. G. Bhattacharjee.
8. Shri Monomohan Majumder.
9. Shri S. N. Banerjee.

The above mentioned officials were holding *ad hoc* appointments to the posts of Assistant Stores Officer in the Geological Survey of India in the scale of pay of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800 with effect from the dates shown below against each :—

1. Shri J. K. Pal—23-8-72.
2. Shri J. B. Chowdhury—15-2-72.
3. Shri S. C. Banerjee—15-2-72.
4. Shri B. C. Das—3-3-72.
5. Shri Karan Singh—6-7-72.
6. Shri T. R. Gupta—6-7-72.
7. Shri M. G. Bhattacharjee—15-2-72.
8. Shri Monomohan Majumder—15-2-72.
9. Shri S. N. Banerjee—2-1-73 (A.N.).

The 29th June 1974

No. 2222(CPS)/19A.—The President is pleased to appoint Shri Chandra Prakash Sisodia to the post of Geologist (Junior) in the Geological Survey of India in the scale of pay of Rs. 400—40—800—50—950 in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 16-3-1974, until further orders.

C. KARUNAKARAN
Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 29th June 1974

No. 17-2/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri J. C. Gupta, Audit Officer (Commercial) in the office of the Director of Commercial Audit, New Delhi to the post of Accounts Officer (Stores) in the Directorate General of Health Services with effect from the forenoon of the 1st June, 1974 and until further orders.

S. P. JINDAL
Deputy Director, Administration

MINISTRY OF AGRICULTURE
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 28th June 1974

No. F.4-6(8)/74-A.I.—Shri P. Ramachandran Nair, Senior Inspector has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) on *ad hoc* basis in the sub-office of the Directorate of Marketing and Inspection at Mangalore with effect from 20th May, 1974 (F.N.) until further orders.

No. F.3/309/71-AF.I.—Shri G. K. Upadhyaya, Senior Inspector has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group II) on *ad hoc* basis in the Directorate of Marketing and Inspection at New Delhi with effect from 4-5-74 (F.N.) until further orders.

N. K. MURALIDHARA RAO
Agricultural Marketing Adviser

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 22nd June 1974

No. E(1)04241.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri R. C. Ghosh, Professional Assistant, while officiating as Superintendent, Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 15th May, 1974 and until further orders.

Shri R. C. Ghosh, Offg. Assistant Meteorologist, has been posted to the Office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi.

NOOTAN DAS
Meteorologist
for Director General of Observatories

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 26th June 1974

No. 16/233/74-Ests.-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun is pleased to appoint Shri P. K. Roy Choudhuri, an officer of the West Bengal Junior Forest Service as Assistant Instructor at the Eastern Forest Rangers College, Kurseong, with effect from the afternoon of 23-4-1974, until further orders.

The 28th June 1974

No. 16/199/71-Ests.I.—Shri D. R. C. Babu, Research Officer, Forest Research Laboratory, Bangalore, expired on the 10th June, 1974.

PREM KAPUR
Registrar,
for President

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE

Patna, the 27th June 1974

C. No. II(7) 1-Et/70/9802.—In pursuance of Government of India, Ministry of Finance (Deptt. of Revenue and Insurance), New Delhi's order No. 52/74 dated 29th March, 74 *vide* F. No. A-22012/5/74-Ad-II dated 29-3-74 Shri K. C. Ambasta, Dy. Director of Inspection (DICCE), New Delhi assumed charge as Dy. Collector of Central Excise, Hqrs. Office, Patna in the forenoon of 10-6-74

P. R. BISWAS
Collector
Central Excise, Patna

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Doshi Industry Private Limited*

Gujarat, the 25th June 1974

No. 1315/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Doshi Industry Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

J. G. GATHA
Registrar of Companies,
Gujarat

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Sri Venkata Durga Enterprises Limited*

Hyderabad, the 25th June 1974

No. 1270/T.(560).—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Sri Venkata Durga Enterprises Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

O. P. JAIN
Registrar of Companies,
Andhra Pradesh, Hyderabad

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Sharan Krupa Agriculture and Dairy Farming
Private Limited*

Bangalore, the 25th June 1974

No. 2127/Dis/74.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Sharan Krupa Agriculture and Dairy Farming Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Sharanabasappa Appa Agricultural Farming
Company Private Limited*

Bangalore, the 25th June 1974

No. 2126/Dis/74.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Sharanabasappa

Appx Agricultural Farming Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Basaweshwar Agriculture and Dairy Farming Private Limited

Bangalore, the 25th June 1974

No. 2125/Dis/74.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Basaweshwar Agriculture and Dairy Farming Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Mysore Products Private Limited

Bangalore, the 25th June 1974

No. 170/Dis/74.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Mysore Products Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Sapthagiri Chit Funds Private Limited

Bangalore, the 25th June 1974

No. 1747/Dis/74.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Sapthagiri Chit Funds Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Movieland Chit Fund Private Limited

Bangalore, the 25th June 1974

No. 1754/Dis/74.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Movieland Chit Fund Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Valli Trading and Chit Funds Private Limited

Bangalore, the 25th June 1974

No. 1878/Dis/74.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Valli Trading and Chit Funds Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

K. K. DHAR
Registrar of Companies,
Karnataka, Bangalore

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Asha Bulchand Ajmer Chit Fund Private Limited

Jaipur, the 22nd June 1974

No. Stat/1237.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Asha Bulchand Ajmer Chit Fund Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

R. D. KUREEL
Registrar of Companies,
Rajasthan, Jaipur

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ANNEXURE 'B'

CORRIGENDUM

Ahmedabad, the 14th June 1974

In the notice (Reference No. PR/94/Acq. 23-167/19-7/73-74) dated 20-4-1974 issued under Section 269D(1) of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) by the Competent Authority (Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range II, Ahmedabad), in place of—

“(1) Motatlal Shantilal Dantwala (Transferor)
Yogesh Shantilal Dantwala
Arunkumar Shantilal Dantwala”

read the following—

“(1) Mohanlal Lalloobhai Dantwala (Transferor)
Yogesh Shantilal Dantwala
Arunkumar Shantilal Dantwala”

P. N. MITTAL
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range -II)
Ahmedabad

CORRIGENDUM

In a notice under Section 269D(1) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the case of—Smti. Kamala Devi Jaju, C/o M/s. Assam Flour Mills, Gauhati (Transferor) and Shri Bajranglal Jaju, C/o M/s. Assam Flour Mills, Gauhati (Transferee) published in the Gazette of India dated 12-1-74 in Part III Section I at page 139, in the schedule attached to the notice, the words “1/8th share” will be inserted in place of “8th share”.

In a notice under Section 269D(1) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the case of—(1) Messrs. Tinsukia Development Corporation Ltd., Tinsukia (Transferor), and (2) Shri Subhas Chandra Mody and Shri Ashok Kumar Mody, sons of Jagadish Prasad Mody of Tinsukia (Transferees), published in Part III, Section I at page 138 of the Gazette of India dated 12-1-74. The words “Registering Officer at Dibrugarh on 4-6-73” will be inserted in place of “Registering Officer at Sultanpur Lodhi in June, 1973”.

N. PACHUAU
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Shillong).

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR,

Chandigarh, the 5th April 1974

Ref. No. CHD/1423/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. H. No. 324, Sector 15-A, situated at Chandigarh, October, 1973

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shahkot, in October, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Parkash Chander, s/o Shri Hari Krishan Dass, 78-Grain Market, Chandigarh (Transferor)
- (2) Sarvshri
 - (i) Amar Chand, s/o Shri Munshi Ram,
 - (ii) Sadhu Ram Sharma, s/o Shri Amar Chand Sharma,
 - (iii) Gian Chand Sharma, s/o -do-
 - (iv) Kishore Lal Sharma, s/o -do-
 - (v) Parshotam Lal Sharma, s/o -do-
 - (vi) Om Sagar Sharma, s/o -do-
 - (vii) Manohar Lal Sharma, s/o -do-
- (3) Village Binjor, Teh. Garhshankar, Distt. Hoshiarpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House No. 324, Sector 15-A, Chandigarh.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range) Chandigarh.

Date : 30-4-1974

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH

Chandigarh, the 5th April, 1974

Ref. No. LDH/1422/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. B-XVII-232, Bharat Nagar, (1/3rd share) situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in October, 73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Smt. Kartar Kaur, w/o Shri Kartar Singh, B-XVII-232, Bharat Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) (i) Smt. Rajinder Kaur, w/o Shri Harwant Singh.

(ii) Shri Gurmit Singh, s/o Shri Harwant Singh,
B-XVII-232, Bharat Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(1/3rd share) of House No. B-XVII-232, Bharat Nagar, Ludhiana.

(G. P. SINGH),

Competent Authority,

(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range) Chandigarh.

Date : 5-4-1974.

Seal :

FORM ITNS ———

(2) Shri Harwant Singh, s/o Shri Kishan Singh,

(ii) Shri Paramjit Singh s/o Shri Harwant Singh, H. No. B-XVII-232, Bharat Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Chandigarh, the 5th April, 1974

Ref. No. LDH/1422/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. (1/3rd share) House No. B-XVII-232, Bharat Nagar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Ludhiana in October, 73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kartar Kaur, w/o Shri Kartar Singh, B-XVIII-232, Bharat Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(1/3rd share) House No. B-XVII-232, Bharat Nagar, Ludhiana.

(G. P. SINGH)

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range) Chandigarh.

Date : 5-4-1974.

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 5th April 1974

Ref. No. LDH/1422/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. (1/3rd share) H. No. B-XVII-232, situated at Bharat Nagar, Ludhiana (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ludhiana, in November, 73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kartar Kaur, w/o Shri Kartar Singh, B-XVII-232 Bharat Nagar, Ludhiana. (Transferor)
- (2) (i) Shri Rajbir Singh, (ii) Shri Karamjit Singh, (iii) Shri Gurdip Singh sons of Shri Harwant Singh, B-XVII-232, Bharat Nagar, Ludhiana, (Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(1/3rd share) House No. B-XVII-232, Bharat Nagar, Ludhiana.

G. P. SINGH.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range,
Chandigarh

Date : 5-4-1974.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Smt. Indrajit Kaur Sawhney, w/o Shri Joginder Singh Sawhney, Resident of 75, Head Water Works Road, Amritsar (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 10th April 1974

Ref. No. BGR/10/73-74 —Whereas, I. G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Plot No 65, DLF, Ind Estate No 1, situated at Faridabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Delhi on October 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s Estate Builders B 1/34, Hauz Khas, New Delhi (Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 65, DLF, Industrial Estate No 1, Mathura Road, Faridabad

G P SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range
Chandigarh

Date 10-4-1974

Seal

FORM ITNS—

- (2) Shri Tejwant Singh s/o Late Sh. Aya Singh, (ii) Shri Swaraj Singh, s/o Shri Tejwant Singh. (Transferee).

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 9th April 1974

Ref. No. SML/3/74-75.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2,5000/- and bearing No. No. 15-The Mall, situated at Simla, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Simla in October, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Janki Devi. (Transferor)

7—136GI/74

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

15-The Mall, Just adjacent to Lala Lajpat Rai's Statue, Simla.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 9-4-1974.

Seal :

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 9th April 1974

Ref. No. CIID/1424/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 76, Sector 19-A, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Chandigarh in October 73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) (i) Shri Harnam Singh, (ii) Shri Amrik Singh, (iii) Shri Paramjit Singh. (Transferor)

- (2) (i) Shri Kashmir Singh, (ii) Shri Jasbir Singh, sons of Shri Ajit Singh through Shri Devi Singh, 607, Karimpur Bazar, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 76, Sector 19-A, Chandigarh.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 9-4-1974.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Vaneet Kumar Kashyap, D 13, Hauz Khas, New Delhi (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 10th April 1974

Ref. No BGR/(DLI)/1/74-75 —Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Plot No 68-A, Ind Estate No 1, situated at Faridabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi in November, 73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following person, namely :—

- (1) Shri Gursewak Singh Pabla, s/o Shri Gurbux Singh Pabla, Resident of D 1/18, Basant Vihar, New Delhi-57 Foreign address :—7027-A-Street, Seat Pleasant Marglan, USA (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning and given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Plot No 68-A, In Industrial Estate No 1, DLF on Delhi Mathura Road, Faridabad

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 10-4-1974
Seal :

FORM ITNS—

(2) M/s. Ferrous Alloys Forgings, H-6, Maharani Bagh, New Delhi. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 10th April 1974

Ref. No. BGR/(DLI)/14/74-75.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Plot No. 111, Industrial Estate No. 1, DLF situated at Faridabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Delhi in November, '73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s. D.L.F. United Limited, 40-F, Connaught Place, New Delhi-1. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial plot No. 111, in Industrial Estate No. 1, DLF on Delhi Mathura Road, Faridabad.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 10-4-1974.
Seal :

FORM ITNS—

(2) (i) Shri Saroj K. Malhotra, (ii) Shri Manoj K. Malhotra, sons of Shri D. V. Malhotra, 1243, Sector 18-C, Chandigarh.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 5th April 1974

Ref. No. CHD/1419/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 629, Sector 11-B, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chandigarh in November, 73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Harish Bhanot, Hindustan Times, 520, Sector 16-C, Chandigarh. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One kanal residential plot No. 629, Sector 11-B, Chandigarh.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range,
Chandigarh

Date : 5th April 1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 5th April 1974

Ref. No. CHD/1421/73 74.—Whereas, I G. P. Singh,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition
Range, Chandigarh,
being the competent

authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961
(43 of 1961), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Plot No. 3, Street 'J', Sector 21-C situated at Chandigarh,
(and more fully described in
the Schedule annexed hereto), has been transferred as per
deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Chandigarh in November, 73,
for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the pro-
perty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor
by more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in
respect of any income arising from the trans-
fer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purpose of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings
for the acquisition of the aforesaid property in terms
of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I
hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice
under sub-section (1) of section 269D of the Income-
tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons,
namely :—

- (1) Shri S. P. Luthra, s/o Shri Arjan Dass Luthra, Head
Microwave Division Electronics Corporation of India,
Hyderabad through his general attorney Shri Romesh
Chandria Satija, Sector 14, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri O. P. Jain, s/o Shri Bikh Bhan Jain, Chief
Manager, Punjab Small Industries Corporation,
Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice
on the respective persons, whichever period
expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing
the objections, if any, made in response to this notice
against the acquisition of the immovable property will
be fixed, and notice thereof shall be given to every
person who has made such objection, and the transferee of the
property.

It is hereby further notified that every person to
whom notice is given under the preceding paragraph
shall have a right to be heard at the hearing of the
objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3, Street 'J', Sector 21-C, Chandigarh.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 5th April 1974.

Seal :

FORM ITNS—

(2) M/s Avery Cycles Industries Pvt. Ltd.; Chandigarh, through their Director Shri Sohan Lal, s/o Shri Nihal Singh, 69-Industrial Area, Chandigarh. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 11th April 1974

Ref. No. CHD/1425/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 72, Industrial Area, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chandigarh in October, 73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s Decor Steels Private Ltd; Chandigarh, through (i) O. P. Bhindlish, s/o Thakar Dass Bhindlish, (ii) Shri B. D. Aggarwal, s/o Suraj Bhan, Show Room No. 1, Sector 7, Chandigarh. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 72, Industrial Area, Chandigarh.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 11-4-1974.

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 11th April 1974

Ref. No. IDH/1426/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. Salem Tabri, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Ludhiana, in October 73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagvasaya, s/o Shri Jewan Mall, Resident of Salem Tabri Mohalla Ludhiana. (Transferor)
- (2) Dewan Jagdish Chander, Advocate s/o Dewan Lachhman Dass, Civil Lines, Ludhiana. (Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 8 kanal situated in Salem Tabri, Ludhiana. (Property as mentioned in the registered deed No. 6723 of October, 1973 of the Registering Authority at Ludhiana).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 11-4-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 11th April 1974

Ref. No. LDH/1427/73-74 —Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, Bhora, Teh. Ludhiana situated at Bhora, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in October, '73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

8—136GI/74

(1) (i) Shri Sat Parkash, s/o Shri Gudas Ram, (ii) Shri Jagir Raj, s/o Shri Narain Dass, Residents of Wool Syndicate, G. T. Road, Ludhiana. (Transferors)

(2) M/s Kailash Ice & Cold Storage, Bye Pass, G. T. Road, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Village Bhora, Tehsil Ludhiana. (Property as mentioned in the registered deed No. 6512 of October, 1973 of the Registering Authority, Ludhiana).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date: 11-4-1974.

Seal:

FORM ITNS—

(2) 1 A Kheemraj, 2 A Premchand, 3 A Hukimchand, 4 B Parasmal, No 24, D S Lane, Bangalore-53.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,
BANGALORE

Bangalore, the 22nd March 1974

No C R 62/1808/73-74/Acq B—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore 27, being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Premises Old No 76/89 (New No 111), situated at Diagonal Road, Visweswarapuram, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore 4 on 10-10-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) SHRI D S Anantha Rao, No 8, Basappa Road, Shanthinagar, Bangalore 27 (Transferor)

- (3) The Karnataka Secondary Education Examination Board [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises Old No 76/89 (New No 111), Diagonal Road, Visweswarapuram, Bangalore

R KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range,
Bangalore

Date 22-3-1974

Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
KAKINADA.

Kakinada, the 22nd March 1974

Ref. J. No. I(1529)/73-74.—Whereas, I K. Subba Rao, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakinada, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-11-1 and 1-11-2 situated at Nidumolu (share of Rice Mill) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Masulipatam in 15-10-73,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely —

- (1) Sri Kaza Venkateswara Rao, S/o Venkatappaiah, Landlord, Pamarru Village, Gudivada Taluk. (Transferor).
- (2) S/s Vallabaneni Papa Rao & Krishnamohana Rao, S/o Suryanarayana, Pamarru, Gudivada Taluk. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Krishna District—Masulipatam Sub-registration-Nidumolu-Share in Rice Mill-(Share 23/99)-Door Nos. 1-11-1 and 1-11-2-Asst. Nos. 4 and 20.

K. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range,
Kakinada.

Date : 22-3-1974.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
KAKINADA.

Kakinada, the 22nd March 1974

No. J. No. I(1530)/73-74.—Whereas, **K. Subba Rao**,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 1-11-1 and 1-11-2 situated at Nidumolu (share of Rice
Mill) (and more fully described
in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per
deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Masulipatam on 15-10-73,
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the transferor(s) and the transferee(s) has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in
respect of any income arising from the
transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings
for the acquisition of the aforesaid property in terms of
Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have
been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I
hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
Sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act,
1961 (43 of 1961) to the following persons,
namely:—

(1) Sri Vathemilli Narayana Rao, S/o Ramaiah, Pasu-
maru Village, Guduwada Taluk. (Transferor)

(2) S/s Vallabani Papa Rao & Krishnamohana Rao,
S/o Suryanarayana, Pamarru, Guduwada Taluk.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette or
a period of 30 days from the service of
notice on the respective persons, whichever
period expires later.

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing
the objections, if any made in response to this notice
against the acquisition of the immovable property will
be fixed, and notice thereof shall be given to every
person who has made such objection and the transferee
of the property.

It is hereby further notified that every person to
whom notice is given under the preceding paragraph
shall have a right to be heard at the hearing of the
objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter
XXA of the Income-tax Act, 1961
(43 of 1961) shall have the same
meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Krishna District—Masulipatam Sub-Registration-Nidumolu-
Share in Rice Mill-(Share 23/99)-Door Nos. 1-11-1 and
1-11-2 Asst-Nos. 4 and 20.

K. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range,
Kakinada.

Date : 22-3-1974.

Seal :

FORM JTNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE

Bangalore, the 27th March 1974

No. C.R. 62/1851/73-74/ACQ/B.—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, I.A.C. (Acq. Range) Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 29, 30, and 31, situated in D.S. Lane, Chickpet, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gandhinagar, Bangalore for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) (1) Shri D. S. Radhakrishna, (2) D. S. Nagaraj, (3) D. S. Prakash, All residing at No. 4 West Circle Road, Visveshwarapuram, Bangalore-4.

(Transferors)

- (2) (1) Shri M. Jeevanraj, (2) Shri L. Madanraj, C/o M/s. Lalchand Jeevanraj & Co. D. S. Lane, Chickpet, Bangalore City. (Transferees)

- (3) (1) Shri M. N. Krishna Murthy & Sons, (2) Chimanlal & Co. (3) Sha Mohanlal Pukraj & Co. (4) P. T. Shengoda Modaliar. [(Person(s) in occupation of the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises bearing No. 29, 30 and 31 situated in D.S. Lane (K. S. Lane) Chickpet, Bangalore.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 27-3-1974.

Seal :

*[Strike off where not applicable]

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE.

Bangalore, the 27th March 1974

No. CR.62/1812-A/73-74.—Whereas, I, R. KRISHNA MOORTHY, Inspecting Asst. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 133 (Old Nos. 105, 10 and 9) situated at Mamulpet, Bangalore City. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gandhinagar, Bangalore on 8-10-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri G. S. Dayananda,
S/o G. P. Sadasiviah, No. 227/2371,
Chamrajpet, Bangalore-18.

(Transferor)

(2) Shri K. R. Chandraiah Setty,
S/o K. H. L. Ramiah Setty, No. 1, Mamulpet,
Bangalore.

(Transferee)

* (3) M/s. M. R. Shah & Co.,
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 133 (Old Nos. 105, 10 and 9), Mamulpet, Bangalore City.

R. KRISHNA MOORTHY,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Bangalore.

Date . 27-3-1974.

Seal :

FORM ITNS

(3) M/s. 1. Rallis India Ltd., and
2. Sylvinia Laxman Ltd.,

[Person(s) in occupation of the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE.

Bangalore, the 27th March 1974

No. CR.62/1890/73-74/Acq(B).—Whereas, I. R. KRISHNAMOORTHY, inspecting Asst. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the competent authority under Sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 48 and 48/3, situated at Jayachamarajendra road, Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi Bangalore on 18-10-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri G. S. Acharya, S/o. Sri B. G. S. Acharya, No. 173, II Main Road, I Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferor)

- (2) Shri M. Narasimhiah, Proprietor, Udipl Hotel, Santhepet, Chitradurga.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 48 and 48/3, Jayachamarajendra Road, Bangalore.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore.

Date . 27-3-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE.

Bangalore, the 27th March 1974

No. CR.62/1850/73-74/Acq(B).—Whereas, I, R. KRISHNA MOORTHY, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9, situated at Shantha Veeraiya Lane, 2nd Cross, Bangalore City, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gandhinagar, Bangalore on 3-10-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri M. H. Appaji,
S/o. Late Mandy Hariyanna, Old Taragupet,
Bangalore City.

(Transferor)

(2) Shri Rikabchand,
S/o. Ganeshamullji, No. 87, Mint Street,
Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 9, Shantha Veeraiya Lane, 2nd Cross, Bangalore City.

R. KRISHNA MOORTHY,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range,

Bangalore.

Date : 30-3-1974.

Seal :

FORM 11NS

(1) Mrs. Gokula,
111, Dharmaraja Kojl Street,
Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Koshya Private Limited,
39, St. Mark's Road,
Bangalore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE

Bangalore, the 27th March 1974

No. CR.62/1859/73-74/Acq(B).—Whereas, I, R. KRISHNA-MOORTHY, Inspecting Asst. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 50—53, situated at Brigade Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, on 22-10-1973 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

9-136GI/74

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No 50—53, Brigade Road, Bangalore

R. KRISHNA MOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore.

Date . 27-3-1974.
Seal :

FORM ITNS—

- (2) 1. Sre B. Ramesh Reddy,
2. Smt. B. Kalawati,
3. Smt. B. Suseela Bai, All 3 residing at House No. 3-6-140 to 140/5 Himayatnagar, Hyderabad.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD.

Hyderabad, the 2nd April 1974

No. RAC.171/74.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-5-576, situated at Vittalwadi, Narayanguda, Himayatnagar, Hyderabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on October, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Facilities the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) 1. Sri Syed Ziaur Rehman Hashmi,
2. Sri Syed Fazlur Rehman Hashmi,
both are Sons of Sri Syed Abdul Rehman Hashmi,
Through: (G.P.A.P. Smt. Sjadatunnisa Begum,
House No. 433, Spl. A-Quarters, Agapura,
Hyderabad. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: House No. 3-5-576, at Vittalwadi, Narayanguda, Himayatnagar, Hyderabad. Area 1300 Sq. Yards.

S. BALASUBRAMANIAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 2-4-1974.

Seal:

FORM ITNS—

tion 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons namely —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 5th April 1974

Ref No CHD/1420/73 74—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/ and bearing No SCF No 5, Sector 27-D situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Chandigarh in October, 73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue at the notice under sub-section (1) of Sec-

- (1) Shri Bishamber Parshad Jaiswal, Wine Contractor, 248/15, Jaikampura Gurgaon (Transferor)
- (2) Smt Lakhshmi Devi w/o Shri Om Prakash Gupta, SCF, No 5, Sector 27-D, Chandigarh. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop-cum-flat No 5, Sector 27-D, Chandigarh.

G. P. SINGH,
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range) Chandigarh

Date 5 April 1974

Seal

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
NOTICE

SECTION OFFICERS' GRADE (RAILWAY BOARD)
EXAMINATION, 1975

New Delhi, the 6th July, 1974

No. F. 14/1/74 E.I.(B).—A limited departmental competitive examination for inclusion in the Select List for the Section Officers' Grade of the Railway Board Secretariat Service will be held by the Union Public Service Commission commencing on 14th January, 1975 at DELHI, in accordance with the Rules published by the Ministry of Railways (Railway Board) in the Gazette of India, dated 6th July, 1974.

THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE IS LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION, CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure II, para 9).

2. The approximate number of persons to be selected for inclusion in the Select List for the Section Officers' Grade on the result of this examination will be 4. (This includes 1 vacancy reserved for Scheduled Caste candidates).

The above number is liable to alteration.

3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed forms of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Re. 1.00, which should be remitted by Money Order to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. The name of the candidate with his address and the name of the examination should be written in block capitals on the Money Order Coupon. Postal Orders or cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's office. *This amount of Re. 1.00 will in no case be refunded.*

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE SECTION OFFICERS' GRADE (RAILWAY BOARD) LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1975. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE SECTION OFFICERS' GRADE (RAILWAY BOARD), LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1975 WILL NOT BE ENTERTAINED.

4. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 2nd September, 1974 accompanied by necessary documents. *No application received after the prescribed date will be considered.*

5. Candidates seeking admission to the examination, must pay to the Commission with the completed application form the fee prescribed in Annexure I in the manner indicated therein.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 2 OF ANNEXURE I.

6. If any candidate who took the Section Officers' Grade (Railway Board) Limited Departmental Competitive Examination held in 1974 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1974 examination, his candidature for the 1975 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, as in the case of a candidate not admitted to the examination *vide* para 3 of Annexure I.

7. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

M. S. PRUTHI

Dy. Secy.

Union Public Service Commission

ANNEXURE I

1. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 28.00 (Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) by means of CROSSED Indian Postal Orders.

The Commission will not accept payment made otherwise.

2. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka (formerly known as Ceylon) and has migrated to India on or after 1st November, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.

3. A refund of Rs. 15.00 (Rs. 4.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 6 of the Notice, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

ANNEXURE II

Instructions to Candidates

1. A copy each of the Notice, the Rules, the Application Form and other papers relating to the examination is obtainable from the office of the Union Public Service Commission in the manner indicated in paragraph 3 of the Notice. *Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.*

2. (i) The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in is liable to be rejected.

NOTE.—CANDIDATES SHOULD CLEARLY SPECIFY IN COLUMN 6 OF THE APPLICATION FORM THE NAME OF THE LANGUAGE IN WHICH THEY

WISH TO ANSWER QUESTION PAPERS IN (i) OFFICE PROCEDURE AND PRACTICE (ii) GENERAL KNOWLEDGE OF THE CONSTITUTION OF INDIA AND MACHINERY OF GOVERNMENT PRACTICE AND PROCEDURE IN PARLIAMENT AND (iii) GENERAL KNOWLEDGE VIDE PARAGRAPH 4 OF APPENDIX TO THE RULES OF THE EXAMINATION THE OPTION ONCE EXERCISED SHALL BE TREATED AS FINAL AND NO REQUEST FOR ALTERATION IN THE SAID COLUMN SHALL BE ENTERTAINED IF NO ENTRY IS MADE IN THE SAID COLUMN, IT WILL BE ASSUMED THAT THE PAPER(S) WILL BE ANSWERED IN ENGLISH

(ii) The completed application form and the acknowledgement card should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 so as to reach him by the last date prescribed in the Notice

No application received by the Commission after the date prescribed in the Notice will be considered

A candidate must submit his application through the Head of his Department or Office concerned, who will complete the endorsement at the end of the application form and forward it to the Commission

3 A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee (See Annexure I)
- (ii) Attested certified copy of Certificate of Age
- (iii) Two identical copies of recent passport size (5 cm × 7 cm approx.) photograph of the candidate
- (iv) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below)
- (v) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession/fee remission, where applicable (See para 5 below)

NOTE—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii), (iv) AND (v) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT CANDIDATE WHO QUALIFY FOR EVALUATION OF RECORD OF SERVICE ON THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF MAY 1975. CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS AND SUBMIT THEM TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES, IN ORIGINAL, AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iii) are given below and of these in items (iv) and (v) are given in paras 4 and 5 :—

(i) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—

Each Postal Order should invariably be crossed as shown below.



and completed as follows :—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office"

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(ii) *Certificate of Age*.—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to an attested certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

NOTE 3—In the case of candidates who are already in permanent Government Service, the entries in their Ser-

vice Book may be accepted as proof of date of birth.

(iii) *Two copies of Photograph.*—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), and 3(iii) above without a reasonable explanation for its absence having been, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise, the application is liable to be rejected.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested certified copy of a certificate, in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer, as indicated below of the district in which his parents (or surviving parents) ordinarily reside who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate and if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri*/Shrimati/Kumari—
—son*/daughter of — of Village*/town
— in District*/Division — of
the State*/Union Territory of — belongs to the
— Caste*/Tribe which is recognised as a Sched-
uled Caste*/Scheduled Tribes under Scheduled Castes
and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956
read with the Bombay Reorganisation Act, 1960 and the
Punjab Reorganisation Act, 1966*.

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled
Caste Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Island) Sched-
uled Tribes Order, 1959*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled
Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled
Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order,
1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh)
Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled
Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled
Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order,
1970*

2. Shri*/Shrimati/Kumari— and*/or his*/
her family ordinarily reside(s) in village*/town —

— of District*/Division — of the
State*/Union Territory of —

Signature.....
**Designation.....
(with seal of office)

Place.....

Date.....

State*/Union Territory

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside (s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe Certificates.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief President Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

5.(i) A displaced person from erstwhile East Pakistan claiming age concession under item (ii) or item (iii) of Rule 4 (2) (c) should produce an attested certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964, but before 25th March, 1971 :—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakanya Project or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;
- (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge.
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), Calcutta.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka (formerly known as Ceylon) claiming age concession under item (vi) or item (vii) of Rule 4(2)(c) should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka (formerly known as Ceylon) to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under item (ix) or item (x) of Rule 4(2)(c), should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who had migrated to India on or after 1st June, 1963, or a copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iv) A candidate claiming eligibility for admission to the examination in terms of Note below Rule 4(1) and/or Rule 4(2)(b), should submit along with his application, an attested/certified copy of a certificate, from the Ministry of Defence, to show that he joined the Armed Forces on or after 26th October, 1962. The certificate must indicate the exact date of his joining the Armed Forces and the date of his reversion from the Armed Forces.

(v) A candidate from the Union Territory of Pondicherry claiming age concession under item (iv) of Rule 4(2)(c) should produce, an attested/certified copy of a certificate from the Principal of the educational institution he has attended to show that he had received education through the medium of French at some stage.

(vi) A candidate from the Union Territory of Goa, Daman and Diu claiming age concession under item (v) of Rule 4(2)(c) should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities in support of his claim :—

1. Director of Civil Administration.
2. Administrators of the Concelhos.
3. Mamlatdars.

(vii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) claiming age concession under item (viii) of Rule 4(2)(c) should produce an attested/certified copy of a certificate, from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(viii) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under item (xi) or item (xii) of Rule 4(2)(c) should produce, an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the Candidate,

Certified that Rank No. _____ Shri _____
_____ of Unit _____ was disabled while in

the Defence Services in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area* and was released as a result of such disability.

Signature.....
Designation.....
Date.....

*Strike out whichever is not applicable.

6. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

7. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

8. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

9. Every candidate for this examination will be informed, at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

10. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Public Service Commission for attending the examination.

11. *Communications Regarding Applications.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT ON AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011, AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

12. *Change in Address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY. CHANGE IN

ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 11 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES, THEY CAN NOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

Advertisement No. 27

Applications are invited for undermentioned posts. Age as on 1-1-1974 must be within the prescribed age limits but is relaxable for Government servants except where otherwise specified. Upper age limit relaxable upto 45 years for certain categories of displaced persons from erstwhile East Pakistan, repatriates from Burma and Sri Lanka and for persons who migrated from East African countries of Kenya, Uganda and United Republic of Tanzania. Upper age limit relaxable by 5 years for Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates. No relaxation for others save in exceptional circumstances and in no case beyond a limit of three years. Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified.

Particulars and application forms obtainable from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, Shahjahan Road, New Delhi-110011. Requests for forms must specify name of post, Advertisement number and item number and should be accompanied by self-addressed unstamped envelopes for each post at least of size 23 × 10 cms., indicating thereon name of post for which forms are required. Commission may remit fee in the case of genuinely indigent and bona-fide displaced persons from erstwhile East Pakistan who migrated on or after 1-1-1964 but before 25-3-1971 and to repatriates from Burma and Sri Lanka who migrated on or after 1st June, 1963 and 1st November, 1964 respectively. Separate application with separate fee required for each post. Candidates abroad may apply on plain paper if forms are not available and deposit fee with local Indian Embassy. If required, candidates must appear for personal interview. Closing date for receipt of applications with crossed INDIAN POSTAL ORDER for Rs. 8.00 (Rs. 2.00 for Scheduled Castes and Scheduled Tribes) 5th August, 1974 (19th August, 1974 for applicants from abroad and for those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep). Treasury receipts not acceptable.

Posts at S. Nos. 6, 11, 15 and 24 permanent but appointment on temporary basis. Posts at S. Nos. 10 and 21 temporary but likely to be made permanent. Posts at S. No. 1 to 5, 7 to 9, 12, 14, 16 to 19, 22, 23 and 25 temporary but likely to continue indefinitely. Post at S. No. 13 temporary but likely to continue on long term basis. Post at S. No. 20 temporary but likely to continue.

One post each at S. No. 10 and 25 reserved for Scheduled Tribes candidates. Post at S. No. 16 reserved for Scheduled Castes candidates who alone need apply. 3 posts at S. No. 23 and post at S. No. 24 reserved for Scheduled Castes candidates, failing which reserved for Scheduled Tribes candidates and failing both to be treated as unreserved. One post at S. No. 23 reserved for Scheduled Tribes candidates failing which reserved for Scheduled Castes candidates and failing both to be treated as unreserved. One post at S. No. 10 reserved for Scheduled Tribes candidates belonging to the category of Emergency Commissioned/Short Service Commissioned Officers who were commissioned in the Armed Forces on or after 1-11-62 but before 10-1-68 or who had joined any pre-Commission training before the latter date, but who were commissioned after that date and are released/invalided owing to disability attributable to Military Service due to be released, if such a suitable candidate available, otherwise the post will be treated as unreserved.

1. *One Chief Exhibition Officer, Directorate of Advertising & Visual Publicity, Ministry of Information & Broadcasting.* Pay : Rs. 1100—50—1400. Age Limit : 45 years. Qualifications : Essential : (i) Degree of a recognised University or equivalent. OR Degree/Diploma in Art of a recognised University or equivalent. (ii) Good knowledge of display methods and experience of designing or organising exhibitions. (iii) About 8 years experience of publicity and public relations work, including writing of themes for exhibitions etc. (iv) About 4 years administrative experience in a responsible capacity.

2. *One Senior Scientific Officer Grade I, Gas Turbine Research Establishment, Bangalore, Research & Development Organisation, Ministry of Defence.* Pay : Rs. 700—50—1250. Age : Preferably below 40 years. Qualifications : Essential : (i) At least Second Class Degree in Instrument Technology of a recognised University or equivalent. (ii) About 4 years' experience in Instrumentation for research, development and testing of aero-engines and components.

3. *Two Senior Scientific Officers Grade II, Gas Turbine Research Establishment, Bangalore, Research & Development Organisation, Ministry of Defence.* Pay : Rs. 400—40—800—50—950. Age : Preferably below 30 years. Qualifications : Essential : (i) At least Second Class Degree in Mechanical Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) 2 years' experience in Mechanical design/Tool design engineering with aircraft/aero engine/mechanical engineering industry or Organisation.

4. *Three Senior Scientific Officers Grade II, Gas Turbine Research Establishment, Bangalore, Research & Development Organisation, Ministry of Defence.* Pay : Rs. 400—40—800—50—950. Age : Preferably below 30 years. Qualifications : Essential : (i) At least Second Class Degree in Mechanical/Aeronautical Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) 2 years' experience in research/design/development/stressing of gas turbine engines and components.

5. *One Senior Scientific Officer Grade II, Gas Turbine Research Establishment, Bangalore, Research & Development Organisation, Ministry of Defence.* Pay : Rs. 400—40—800—50—950. Age : Preferably below 30 years. Qualifications : Essential : (i) At least a Second Class Degree in Aeronautical Mechanical Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) About 2 years' experience in aircraft propulsion on problems of aircraft-engine performance analysis.

6. *One Lecturer in Mechanical Engineering, Delhi College of Engineering, Delhi, Delhi Administration.* Pay : Rs. 400—40—800—50—950. Age Limit : 35 years. Qualifications : Essential : At least 2nd Class Degree in Mechanical Engineering of a recognised University or equivalent with at least 3 years' teaching/research/professional experience. OR At least 2nd Class Master's Degree in Mechanical Engineering of a recognised University or equivalent.

7. *One Assistant Engineer (Mechanical), Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing).* Pay : Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. Age Limit : 35 years. Qualifications : Essential : Degree in Mechanical Engineering of a recognised University or equivalent. OR (i) Diploma in Mechanical Engineering of a recognised Institution or equivalent. (ii) Five years' experience in a large Mechanical or Marine Workshop or Organisation in a responsible capacity.

8. *Eight Junior Scientific Officers, Gas Turbine Research Establishment, Bangalore, Research and Development Organisation, Ministry of Defence.* Pay : Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. Age : Preferably below 30 years. Qualifications : Essential : At least Second Class Degree in Mechanical/Aeronautical Engineering of a recognised University or equivalent.

9. *One Junior Scientific Officer, Defence Research & Development Laboratory, Hyderabad, Research & Development Organisation, Ministry of Defence.* Pay : Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900. Revised Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. Age : Preferably below 30 years. Qualifications : Essential : At least Second Class Degree in Aeronautical Engineering of a recognised University or equivalent.

10. *Eight Scientific Assistants (Physically) in the National Test House, Calcutta.* Pay : Rs. 550—25—750—EB—30—900. Age Limit : 30 years. Qualifications : Essential : For four posts : Degree in Mechanical Engineering/Metallurgy or M.Sc. Degree in Pure or Applied Physics with specialised knowledge of Engineering Materials or equivalent. For two posts : M.Sc. Degree in Pure/Applied Physics or a Degree in Metallurgy/Electrical Engineering/Mechanical Engineering or equivalent. For two posts : Degree in Civil Engineering or M.Sc. Degree